RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 बी ग्रेड फिल्मों में करना पड़ा काम...

वर्ष : 27 अंक : 272 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 20 सितंबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

अमेरिका H-1B वीजा के लिए वसूलेगा 88 लाख रुपये

ट्रंप ने वीजा फीस 10 गुना से भी ज्यादा बढ़ाई

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा आवेदन शुल्क को 1,00,000 डॉलर तक बढ़ाने के फैसले के बाद उद्योग जगत में गहरी चिंता फैल गई है। इस घोषणा के तुरंत बाद माइक्रोसॉफ्ट और जेपी मॉर्गन जैसी बड़ी कंपनियों ने कर्मचारियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ट्रंप के इस फैसले से भारतियों पर सबसे अधिक असर पड़ेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एच1-बी वीजा के शुल्क में भारी बढ़ोतरी के फैसले ने उद्योग जगत में खलबली मचा दी है। ट्रंप के एलान के बाद कई अमेरिकी कंपनियों ने अपने कर्मचारियों जो जल्द वापस लौटने के लिए कहा है। माइक्रोसॉफ्ट ने एच-1बी और एच-4 वीजा धारकों को निकट भविष्य में अमेरिका में ही रहने की सलाह दी है।

माइक्रोसॉफ्ट ने जारी की एडवाइजरी

माइक्रोसॉफ्ट ने अपने कर्मचारियों को एक एडवाइजरी ईमेल भेजा है। जिसमें इन वीजा धारकों को समयसीमा से पहले अमेरिका लौट आने के लिए कहा है। इसके अलावा कंपनी ने वर्तमान में अमेरिका से बाहर रहने वाले कर्मचारियों से भी वापस आने का आग्रह भी किया गया है। माइक्रोसॉफ्ट द्वारा अपने कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल में कहा गया है कि हम एच-1बी और एच-4 वीजा धारकों को कड़े तौर पर सलाह देते हैं कि वे समय-सीमा से पहले कल ही अमेरिका लौट आएं। यह जानकारी रॉयटर्स ने एक आंतरिक ईमेल का हवाला देते हुए दी है। इसी बीच बिजनेस फर्म जेपी मॉर्गन के इमिग्रेशन काउंसल ने भी एच-1बी वीजा धारकों को अमेरिका में ही बने रहने और अगली सूचना तक अंतरराष्ट्रीय यात्रा से बचने की सलाह दी है।

भारतीयों पर होगा सबसे अधिक असर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत एच1बी वीजा शुल्क को सालाना 100,000 अमेरिकी डॉलर तक बढ़ा दिया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि देश इस राशि का इस्तेमाल करों में कटौती और कर्ज चुकाने में करेगा। ट्रंप ने कहा, हमें लगता है कि यह बहुत सफल होगा। ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 से 2023 के बीच स्वीकृत वीजा में 73.7 फीसदी वीजा भारतीयों के थे। चीन 16 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर था। कनाडा 3% के साथ तीसरे स्थान पर, उसके बाद ताइवान (1.3%), दक्षिण कोरिया (1.3%), मैक्सिको (1.2%) और नेपाल, ब्राजील, पाकिस्तान और फिलीपींस (सभी 0.8%) हैं।

'मिशन शक्ति-5.0' का शुभारंभ

उत्तर प्रदेश में आज नारी की सुरक्षा मजबूत : मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में आज लोक भवन सभागार में नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के

लिए समर्पित 'मिशन शक्ति-5.0' का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर सभी 1,647 थानों में नवस्थापित मिशन शक्ति केंद्रों का उद्घाटन किया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन शक्ति केंद्रों से संबंधित SOP की पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्या और मंत्री बेबी रानी मौर्या समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा मजबूत हुई है।

उन्होंने कहा कि यह मिशन नारी शक्ति, सुरक्षा को समर्पित है। मिशन बेटियों के लिए ढेर सारी योजनाएं चल रहीं। पहले मिशन शक्ति पर सवाल उठाए गए थे। आज ये मिशन तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सीएम योगी ने इस दौरान अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ और सुरक्षित नारी से ही सशक्त परिवार और समाज का निर्माण होता है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश में बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब अपराधी और माफिया भी समाज में अपनी गलतियों के लिए माफी मांग रहे हैं। मिशन शक्ति केंद्र महिलाओं के संरक्षण और न्याय सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएंगे, जिससे महिलाओं को हर स्तर पर सुरक्षा और सशक्तिकरण मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि महिलाएं-बेटियां पहले अपने आप को सुरक्षित नहीं समझती थीं, लेकिन आज का दिन है कि वो बिना डरे आगे बढ़ रही हैं. हम बेटियों को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं।

'मिशन शक्ति-5.0' के उद्घाटन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वर्चुअली संबोधन नोएडा के सेक्टर-108 स्थित पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सभागार में सुनती महिलाएं।

ट्रक के नीचे आई महिला कांस्टेबल,दुर्घटना में मौत

गाजियाबाद (ब्यूरो)। गाजियाबाद के वेव सिटी थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे लाल कुआं के पास बड़ा हादसा हो गया। ओम साईं फार्म हाउस के सामने स्कूटी पर सवार महिला कांस्टेबल ट्रक की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही महिला कांस्टेबल की दर्दनाक मौत हो गई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

बदमाशों से मुठभेड़, दो घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख पुलिस ने ज्वेलर्स की दुकान में चोरी की घटना का खुलासा करते हुए मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में दोनों बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने कांबिंग के दौरान बदमाशों की महिला साथी को भी बंदी बनाया है। इनके पास से ज्वेलर्स की दुकान से चोरी किए गए करीब 6 लाख रुपए मूल्य के जेवरात (शेष पृष्ठ-3 पर)

तमंचे के साथ बदमाश पकड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख पुलिस ने आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहे एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाश के पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुए हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम लाल कुआं चौराहे के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि लोको शेड के गेट की तरफ एक बदमाश बाइक से आने वाला है और उसके पास अवैध हथियार है। वह किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम बताए गए स्थान की तरफ पहुंची। इस दौरान पुलिस की पीसीआर को देखकर बाइक पर आ रहे एक युवक ने भागने का प्रयास किया। हड़बड़ी में युवक की बाइक फिसल कर गिर गई। इसके बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

अंतिम निवास में गरूण पाठ का समापन कल : महेश सक्सेना

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-94 स्थित अंतिम निवास पर पितृपक्ष के प्रारंभ से चल रहे गरूण पुराण पाठ का कल रविवार को समापन होगा। यह जानकारी अंतिम निवास का संचालन कर रही संस्था नोएडा लोकमंच के महासचिव महेश सक्सेना ने दी।

उन्होंने बताया कि रविवार 21 सितंबर को 12 बजे गरूण पाठ तथा श्राद्ध तर्पण के समापन के बाद विधिवत पूजन होगा। इस दौरान ज्योतिषरत्न गौतम ऋषि तथा डॉ. हरीश मिश्रा संरचना अभियंता तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हुनमत सेवा संस्थान समिति की देखरेख में आचार्य सौरभ दुबे द्वारा मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया जाएगा। इसके बाद भंडारा का आयोजन होगा।

सीएम के स्वागत कार्यक्रम में

अध्यक्ष ने बांटी रेवड़ियां, अपनों-अपनों को दीं !

नोएडा (चेतना मंच)। कल ग्रेटर नोएडा के एक्सपोमार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारियों का जायजा लेने आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्वागत करने में जहां नोएडा

आठों मंडल अध्यक्ष को मौका 8 मोर्चों के अध्यक्ष रहे वंचित

महानगर के कई नेता सफल रहे। वहीं कई वरिष्ठ पदाधिकारी तथा कर्मठ कार्यकर्ता वंचित रह गए। इसको लेकर कई नेताओं में काफी रोष देखा गया।

हैलीपैड में मुख्यमंत्री का स्वागत करने में कई नोएडा महानगर के वरिष्ठ पदाधिकारियों के अलावा 8 मोर्चों के अध्यक्षों तक को नहीं पूछा गया। महानगर कमेटी अध्यक्ष महेश चौहान के अलावा 4 महामंत्रियों में से सिर्फ चंदगीराम

यादव, 8 उपाध्यक्षों में से सिर्फ धर्मेन्द्र गुप्ता, 8 मंत्रियों में से सिर्फ मनोज चौहान तथा कोषाध्यक्ष विनोद शर्मा को मुख्यमंत्री का स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सभी आठों मंडलों के अध्यक्षों का नाम भी स्वागत करने वालों की सूची में मौजूद था। नोएडा महानगर के 10 मोर्चों में से सिर्फ किसान मोर्चा के अध्यक्ष ओमवीर अवाना तथा भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र चौहान तथा विपुल शर्मा को ही स्वागत करने का मौका मिला। (शेष पृष्ठ-3 पर)

कंपनी में की आत्महत्या

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के थाना इकोटेक-3 पर एक व्यक्ति ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान दीपक सदा पुत्र उपेंद्र सदा निवासी मीरपुर, थाना भरवरिया, समस्तीपुर (बिहार) के रूप में हुई है। दीपक ने हबीवपुर में स्थित एक निजी कम्पनी में पेड़ से फाँसी लगाकर आत्महत्या की। सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची व फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। मृतक के परिजनों को सूचित कर शव का को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जमीनी विवाद में सगे भाइयों में मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के ईटेडा गांव में जमीनी विवाद को लेकर सगे भाइयों में आपस में मारपीट हो गई। मारपीट में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ईटेडा गांव निवासी मदन पुत्र मुंशी ने दर्द कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका जमीन विवाद का मामला न्यायालय में विचाराधीन है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

कल निकलेगी अग्रसेन महाराज की भव्य शोभायात्रा

नोएडा (चेतना मंच)। कल अग्रसेन महाराज की शोभायात्रा के संबंध में अखिल भारतीय अग्रवाल वैश्य मित्र मंडल की कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष राधा कृष्ण गर्ग की अध्यक्षता में हुई।

महाराजा अग्रसेन जी की जयंती के अवसर पर होने वाली शोभा यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए मुख्य संयोजक सुधीर चन्द्र पोरवाल एवं संयोजक लवकेश गोयल ने बताया कि कार-बाइक रैली जोकि 21 सितंबर 2025 को श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 19 से सुबह 10:30 बजे चलकर डीएम चौक, टेलीफोन एक्सचेंज, हरौला चौराहा, बांस मंडी स्वानी फर्नीचर चौहरा, मेट्रो हॉस्पिटल 12-22 चौराहा, सुमित्रा हॉस्पिटल, 55- 56 तिराहा, 56 सेक्टर के कम्यूनिटी सेंटर होते हुए लक्ष्मी नारायण मंदिर सेक्टर 56 में दोपहर 2.00 बजे संपन्न होगी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

लॉचिंग के बाद चार माह में औंधे मुंह गिर गई ई-साइकिल योजना

नोएडा (चेतना मंच)। लोगों की सुविधा के लिए प्रदूषण रहित ई-साइकिल की योजना शुरू होते ही चार माह में औंधे मुंह गिर गई। इस योजना में करीब 2 करोड़ का खर्च हुआ था तथा 62 डॉक स्टेशन बनाए जाने थे। कई डॉक स्टेशन भी बन गये तथा साइकिल भी आ गई। लेकिन कंपनी ने फिर अपने हाथ खींच लिए। इसको लेकर प्राधिकरण की काफी किरकिरी हो गई।

अब नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) सतीश पाल ने नोएडा ट्रैफिक सेल (एनटीसी) के महाप्रबंधक से जवाब तलब किए हैं।

मालूम हो कि योजना लांच होने के चार माह बाद ही फ्लाप हो गई है। कंपनी को ब्लैक लिस्ट किया जाना था। बतौर इसकी जांच के लिए सीईओ के निर्देश पर तीन शीर्ष अधिकारियों जिसमें एसीईओ सतीश पाल, ओएसडी महेंद्र प्रसाद और जीएम आरपी सिंह की एक समिति बनाई। इस समिति ने एनटीसी से कुछ बिंदुओ पर

एसीईओ ने नोएडा ट्रैफिक सेल के जीएम से कई बिन्दुओं पर मांगा जवाब

जवाब मांगा है।

प्राधिकरण के एसीईओ सतीश पाल ने बताया कि कंपनी एग्रीमेंट के अनुसार काम नहीं कर पा रही। प्राधिकरण की उम्मीदों पर खरी नहीं है। ऐसे में समिति ने फाइलों की जांच की। जांच में कई पाइंट सामने निकल कर आए। जिनको वैरीफाइ किया जा रहा है। इसके लिए एनटीसी के जीएम से तत्काल जवाब मांगा गया है। वो अपने स्तर या फाइल को मूव कराने वाले सक्षम कर्मियों से जवाब लेकर तत्काल समिति के सक्षम उपलब्ध कराएंगे। जिससे आगे की जांच की जाएगी।

टर्बन मोबिलिटी को 62 डॉक स्टेशन पर इ साइकिल चलानी थी। 2023 में करीब चार साल की कवायद के बाद योजना को शुरु किया गया। उस समय 31 डॉक स्टेशनों पर ई साइकिल को शुरू किया। कंपनी ने कहा कि चार महीने में सभी 62 डॉक स्टेशनों पर ई साइकिल को शुरू किया जाएगा। ऐसा हुआ नहीं। प्राधिकरण ने योजना लांच के होने करीब एक साल बाद कंपनी को नोटिस जारी किया। कंपनी ने जवाब नहीं दिया। इसी तरह दूसरा और अंतिम नोटिस जारी किया गया और कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने को कहा गया।

उन्होंने बताया कि जीएम एनटीसी ने पूछा गया है कि टर्बन मोबिलिटी के साथ जो एग्रीमेंट किया गया है उसके अनुसार वो ई साइकिल चल रही है या नहीं ?, कंपनी में पहले फेज में 31 स्थानों पर डॉक स्टेशन (जहां साइकिल खड़ी होती है) पर एग्रीमेंट के अनुसार विज्ञापन का कितना राइटस दिया गया। वो उससे ज्यादा या अन्य डॉक स्टेशनों पर भी विज्ञापन कर रही है या नहीं इसका क्या स्टेटस है? फाइलिंग प्रक्रिया को कैसे बढ़ाया गया। किन-किन कर्मचारियों ने कंपनी से संबंधित फाइल को मूव किया और कहां खामी रही। उन्होंने बताया कि तत्काल प्रभाव से ये जवाब प्राधिकरण अधिकारी को देना होगा। जिसके बाद आगे की प्रक्रिया की जाएगी।

बड़ा संकट

निर्विवाद रूप से पर्यावरण प्रदूषण देश के सामने एक बड़ा संकट है। लाखों लोगों के जीवन पर इससे संकट के बादल मंडराते हैं। शीत ऋतु की दस्तक के साथ राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की काली छाया के बीच अक्सर इस संकट के मूल में निकटवर्ती राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं को जिम्मेदार बताने की कवायद हर साल होती है। इस बार भी पंजाब में धान की खरीद शुरू होने के बाद विभिन्न हितधारकों का ध्यान एक मौसमी समस्या पराली जलाने की ओर आकर्षित हुआ है। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से उस कुप्रथा में लिप्त कुछ किसानों को गिरफ्तार करने के बारे में निर्णय लेने को कहा है, जिसे हर साल अक्तूबर-नवंबर में वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण बताया जाता है। वैसे न्यायालय ने इस बात को स्वीकार किया है कि 'हमारे लिये किसान विशेष हैं और हम उनकी बदौलत ही भोजन प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही अपनी खाद्य शृंखला को मजबूत कर रहे हैं।' लेकिन वहीं दूसरी ओर शीर्ष अदालत ने राज्य से पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में कड़ा संदेश देने के लिये दंडात्मक प्रावधान लागू करने का भी आग्रह किया है। निर्विवाद रूप से देश में पंजाब और हरियाणा, जो कि खाद्यान्न उत्पादन में अग्रणी राज्य भी हैं, पराली जलाने से रोकने के लिये विगत में कभी-कभी किसानों को जेल में भी डालते रहे हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि यह कठोर कदम व्यावहारिक धरातल में एक प्रभावी निवारक साबित नहीं हो सका है। हमें इस बात की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि पिछले कुछ वर्षों में हुई गिरफ्तारियों और भारी जुर्माने ने इस क्षेत्र के कृषक समुदाय के गुस्से को भड़काया ही है। जिसने केंद्र और राज्य सरकारों के खिलाफ आवाज उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। वैसे एक हकीकत यह भी है कि सत्ताधीशों के लिये किसानों पर आपराधिक मुकदम चलाना राजनीतिक दृष्टि से एक जोखिम भरा कदम माना जाता है। निस्संदेह, इन राज्यों में किसान अब एक प्रभावशाली वोट बैंक बन चुके हैं। खासकर पंजाब में किसानों की जागरूकता सत्ताधीशों पर दबाव बनाने में कामयाब हो जाती है। सर्वविदित है कि देश के सीमावर्ती राज्य पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ के दौरान धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। ऐसे में किसानों के खिलाफ कोई सख्त कदम उठाना संवेदनशीलता की दृष्टि से उचित भी नहीं कहा जा सकता है। इसलिए अधिकारी किसी संभावित आक्रोश से बचने के लिये दंडात्मक कार्रवाई से बचने का प्रयास कर सकते हैं। ऐसे में वे कोई सुरक्षित रुख अपना सकते हैं। निस्संदेह, किसी ऐसी सख्त कार्रवाई से पहले ही प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे किसानों की स्थिति और बिगड़ सकती है। ऐसे हालात में किसानों से टकराव की बजाय सहयोग को प्राथमिकता बनाना तार्किक कहा जा सकता है। आर्थिक विकल्प, दंड से बेहतर काम करेगा। दूसरी ओर किसानों को पराली के प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। हम उन्हें सशक्त बनाकर इस संकट का तार्किक समाधान निकाल सकते हैं। सरकार प्रयास करे कि पराली का उपयोग उद्योगों द्वारा जैव ईंधन के रूप में एक उत्पादक विकल्प के तरह किया जाए। हमारे देश के ऊर्जा उत्पादन में बायोमास के उपयोग को बढ़ावा देने से जमीनी स्तर पर बदलाव लाया जा सकता है। पराली आधारित बॉयलरों को अपनाने वाले उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिये पूंजीगत सब्सिडी सराहनीय पहल बन सकती है। सर्दियों में भीषण ठंड से बचने के लिये पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की भलाई सुनिश्चित करने वाले पर्यावरण अनुकूल कदम उठाना भी जरूरी है। साथ ही पराली का निस्तारण करने वाली मशीनों की खरीद के लिये किसानों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। मशीनों की खरीद में सब्सिडी तथा ग्राम पंचायत स्तर पर सहकारिता के आधार पर इनके उपयोग से भी सार्थक परिणाम मिल सकते हैं। इस दिशा में किसानों को जागरूक करने के लिये अभियान चलाए जाने जरूरी हैं। उन्हें बताया जाना चाहिए कि खेत में पराली जलाने से जहां खेतों की उर्वरता पर प्रतिकूल असर पड़ता है, वहीं इससे उठने वाला धुआं उनके व परिवार के लिये भी घातक है।

मोदी-ट्रंप के सार्थक संवाद से क्या राह बदलेगी?

नई दिल्ली में भारत-अमेरिकी व्यापार वार्ता की बाधाओं को दूर करने पर दोनों पक्षों के बीच सकारात्मक बातचीत के दौरान करीब तीन महीने बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन करके जन्मदिन की बधाई देते हुए रूस-यूक्रेन युद्धविराम का समर्थन करने के लिए आभार जताना, दोनों देशों के बीच रिश्तों में आई तल्खी को कम करने की कोशिश मानी जानी चाहिए। मोदी और ट्रंप के बीच हुई इस बातचीत ने दोनों देशों के रिश्तों में नई आशा और सकारात्मकता का संचार किया है। क्योंकि अमेरिका के एकतरफा टैरिफ और कुछ तीखे बयानों के बावजूद भारत ने संयम बरता एवं तीखी प्रतिक्रिया की बजाय मसले के सुलझने का इंतजार करते हुए विवेक एवं समझदारी का परिचय दिया। भारत पर थोपे गए ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को लेकर अमेरिका में साफ तौर पर दो विरोधी स्वर सुनाई पड़ रहे हैं। ऐसे माहौल में जरूरी हो गया है कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर संवाद जारी रहे। इसी बात को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने स्वीकार करते हुए यह उम्मीद जताई थी कि आखिरकार अमेरिका और भारत साथ आएंगे, यही मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। मोदी एवं ट्रंप का ताजा संवाद इसी की निष्पत्ति बना है। यह संवाद मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर हुआ और इसमें अतीत की कई कड़वाहटों को पीछे छोड़कर भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। दरअसल, दोनों नेताओं की बातचीत का बड़ा कारण शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में रूस, चीन और भारत के शीर्ष नेताओं की गर्मजोशी भी बना, उससे ट्रंप की चिंताएं बढ़ी थी, इस बैठक के बाद ही पहली बार ट्रंप के रुख में नरमी के संकेत मिले थे। उसके बाद दस सितंबर को फिर ट्रंप ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताओं की बाधाओं को दूर करने पर बातचीत जारी है। ताजा वार्ता ने यह संदेश दिया कि भारत और अमेरिका के रिश्ते किसी एक घटना या परिस्थिति पर निर्भर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन रणनीति और साझा हितों की नींव पर खड़े हैं।

आज की दुनिया में भारत और अमेरिका का रिश्ता केवल द्विपक्षीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य को भी प्रभावित करता है। अमेरिका जहां विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति है, वहीं भारत उभरती हुई आर्थिक ताकत और सबसे बड़ा लोकतंत्र है। दोनों की साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और वैश्विक शांति की आकांक्षाओं पर आधारित है। हाल के वर्षों में कभी-कभी मतभेद जरूर सामने आए-जैसे व्यापार शुल्क, वीजा नीतियां, भारत-पाक सीजफायर और रक्षा समझौते इन मतभेदों के बावजूद रणनीतिक साझेदारी मजबूत होती रही है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। कभी शुल्क वृद्धि को लेकर तनाव हुआ, तो कभी आयात-निर्यात की नीतियों को लेकर असहमति। किंतु ट्रंप-मोदी वार्ता के बाद एक बार फिर नए समझौते और अवसर सामने आ सकते हैं।

आज की दुनिया में भारत और अमेरिका का रिश्ता केवल द्विपक्षीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य को भी प्रभावित करता है। अमेरिका जहां विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति है, वहीं भारत उभरती हुई आर्थिक ताकत और सबसे बड़ा लोकतंत्र है।

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और आईटी, सेवा क्षेत्र, ऊर्जा और तकनीकी निवेश में दोनों के बीच गहरा सहयोग है। प्रधानमंत्री मोदी ने व्यापारिक अड़चनों को दूर करने पर जोर दिया है और ट्रंप ने भी व्यापार घाटे को कम करने के लिए सहयोग का संकेत दिया। यह संकेत आने वाले समय में द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।

भारत और अमेरिका का रक्षा सहयोग पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। अमेरिका ने भारत को महत्वपूर्ण रक्षा तकनीक उपलब्ध कराई है और संयुक्त सैन्य अभ्यासों से सुरक्षा साझेदारी मजबूत हुई है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत-अमेरिका का रक्षा सहयोग न केवल द्विपक्षीय है, बल्कि पूरे क्षेत्रीय संतुलन के लिए अहम है। चीनी मनमानी पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को खासतौर पर भारतीय सहयोग की जरूरत है। इसी मकसद से क्वॉड का गठन किया गया, जिसे अमेरिकी सरकार ने तवज्जो भी दी। लेकिन, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से क्वॉड के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं, वॉशिंगटन में यह भी चिंता बनी कि पिछले दो दशकों में भारत-अमेरिका रिश्तों में जो प्रगति हुई थी, वह ट्रंप की महत्वाकांक्षाओं एवं अतिश्योक्तिपूर्ण हरकतों से पिछले कुछ दिनों में बेकार होती हुई दिख रही थी। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार दोनों शीर्ष नेताओं की बातचीत से अब अंधेरे छंटते हुए दिख रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन कायम रखने में और बड़ी भूमिका निभाए, वहीं भारत अपनी सामरिक स्वतंत्रता बनाए रखते हुए सहयोग को और गहरा करना चाहता है।

भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में अमेरिका एक अहम सहयोगी बन सकता है। अमेरिका से तरलीकृत प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल का आयात बढ़ रहा है। यह न केवल ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा। तकनीकी क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच साझेदारी मजबूत है। सूचना प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष अनुसंधान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में सहयोग आने वाले दशकों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोग दोनों देशों के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं। चाहे राजनीति हो, शिक्षा, स्वास्थ्य या तकनीक-भारतीय-अमेरिकी समुदाय का योगदान उल्लेखनीय है। यह समुदाय भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों को भावनात्मक और सांस्कृतिक आधार देता है। ट्रंप और मोदी की बातचीत में भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रशंसा भी हुई, जिसने दोनों देशों के बीच विश्वास और निकटता को और बढ़ाया।

भारत और अमेरिका दोनों आतंकवाद से प्रभावित रहे हैं। 9/11 की घटना ने अमेरिका को और 26/11 ने भारत को गहरे जख्म दिए। यही कारण है कि आतंकवाद के खिलाफ दोनों का दृष्टिकोण काफी हद तक समान है। हाल की बातचीत में आतंकवाद को समाप्त करने और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। अफगानिस्तान और मध्य-एशिया की परिस्थितियों को देखते हुए भारत और अमेरिका का सहयोग वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए निर्णायक हो सकता है। ट्रंप और मोदी की बातचीत ने यह साबित किया है कि अतीत के मतभेद रिश्तों का अंत नहीं, बल्कि नए संवाद का अवसर बन सकते हैं। व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, तकनीक और आतंकवाद जैसे क्षेत्रों में सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी है। आज जब दुनिया वैश्विक महामारी, आर्थिक संकट, युद्ध की विभीषिका और भू-राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रही है, भारत और अमेरिका की साझेदारी नई दिशा और स्थिरता का संकेत देती है।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार-वार्ता में बेशक व्यवधान आए हों, पर भारत और यूरोपीय संघ के बीच जिस गति से वार्ता हो रही है, उससे वर्ष के अंत तक दोनों में व्यापार समझौता होने की पूरी उम्मीद है। असल में दोनों देशों के बीच पांच दौर की व्यापार वार्ता हो चुकी है, लेकिन 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद छठे दौर की प्रस्तावित वार्ता रुक गई थी, जो बीते मंगलवार से फिर पटरी पर लौट आई है। दरअसल, ट्रंप प्रशासन चाहता है कि भारत अपने कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी कंपनियों के लिए पूरी तरह से खोले, लेकिन भारत के लिए यह संभव नहीं है, क्योंकि यह उसके किसानों व मछुआरों के हितों के खिलाफ है। भारत पहले ही कह चुका है कि वह किसानों, डेयरी उत्पादकों एवं एमएसएमई के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा।

दोनों देशों के बीच पिछले एक दशक में द्विपक्षीय व्यापार लगभग दोगुना हो गया है और इसे 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन यह तभी संभव था, जब मौजूदा गतिरोध खत्म हो और इसके लिए बातचीत ही रास्ता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा बने रहने के लिए भारत दूसरे देशों के साथ भी मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। भले ही डोनाल्ड ट्रंप पर अधिक भरोसा नहीं कर सकते, लेकिन सवाल यह है कि अब उनकी तरफ से दिखाई जा रही नरमी को क्या एक संकेत माना जाए कि इससे कोई नई राह निकलेगी। अड़ियल रुख अपनाने के बजाय अमेरिका को भारतीय नजरिया समझने की जरूरत थी, अब अमेरिका भारत का नजरिया समझने को तत्पर हुआ है तो निश्चित ही इसके दूरगामी परिणाम आयेंगे।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि जब पुरवासियों ने यह समाचार पाया कि दोनों राजकुमार नगर देखने के लिए आए हैं, तब वे सब घर-बार और सब काम-काज छोड़कर ऐसे दौड़े मानो दरिद्री (धन का) खजाना लूटने दौड़े हों॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

निरखि सहज सुंदर दोउ भाई। होहिं सुखी लोचन फल पाई॥
जुबतीं भवन झरोखन्हि लागीं। निरखहिं राम रूप अनुरागीं॥

स्वभाव ही से सुंदर दोनों भाइयों को देखकर वे लोग नेत्रों का फल पाकर सुखी हो रहे हैं। युवती स्त्रियाँ घर के झरोखों से लगी हुई प्रेम सहित श्री रामचन्द्रजी के रूप को देख रही हैं॥

कहहिं परसपर बचन सप्रीती। सखि इन्ह कोटि काम छबि जीती॥
सुर नर असुर नाग मुनि माहीं। सोभा असि कहुँ सुनिअति नाहीं॥

वे आपस में बड़े प्रेम से बातें कर रही हैं- हे सखी! इन्होंने करोड़ों कामदेवों की छबि को जीत लिया है। देवता, मनुष्य, असुर, नाग और मुनियों में ऐसी शोभा तो कहीं सुनने में भी नहीं आती॥

बिष्नु चारि भुज बिधि मुख चारी। बिकट बेष मुख पंच पुरारी॥
अपर देउ अस कोउ ना आही। यह छबि सखी पटतरिअ जाही॥

भगवान विष्णु के चार भुजाएँ हैं, ब्रह्माजी के चार मुख हैं, शिवजी का विकट (भयानक) वेष है और उनके पाँच मुँह हैं। हे सखी! दूसरा देवता भी कोई ऐसा नहीं है, जिसके साथ इस छबि की उपमा दी जाए॥

(क्रमशः..)

चल खुसरो घर आपने...

जीवन की कुछ खास घटनाएं दिमाग में सदा के लिए सुरक्षित हो जाती हैं और यदि वे घटनाएं सकारात्मक हों, रचनात्मक हों, प्रेरक हों तो वे हमारी सोच को ही नहीं बल्कि जीवन को भी बदल सकती हैं। कुछ कहानियां भी ऐसी ही होती हैं जो हमारा जीवन बदल सकने की क्षमता रखती हैं। ऐसी ही एक कहानी कभी ओशो रजनीश ने सांझा की थी। जापान की एक पुरानी कथा है कि एक संन्यासी को एक सम्राट ने कहा कि आपको मैं सदा इस वृक्ष के नीचे बैठे देखता हूं, मेरे मन में बड़ी श्रद्धा जन्मती है, बड़ा भाव पैदा होता है। आप कृपा करें और मेरे महल में चलें। आप यहां न बैठें। आप जैसे महापुरुष यहां वृक्ष के नीचे बैठे रहकर धूप, वर्षा, गर्मी, सर्दी से परेशान होते होंगे। आप वहां चलेंगे तो इन सब परेशानियों से बचाव होगा तो आप ज्यादा लोगों का भला कर पाएंगे। सम्राट का प्रस्ताव सुनकर वह संन्यासी साथ चलने के लिए उठकर खड़ा हो गया। एक बार तो सम्राट के मन में विचार आया कि यह संन्यासी, संन्यासी नहीं है, यह तो कोई भोगी है, बना-ठना बैठा था, रास्ता ही देख रहा था कि कोई बुला ले तो चल पड़ूं। मैं शायद इसके जाल में फंस गया। लेकिन फिर सम्राट को ध्यान आया कि इस संन्यासी को तो वह कई महीनों से देख रहा है यहां पेड़ के नीचे बैठे हुए, तो इसे झूठा तो नहीं होना चाहिए।

एक विचार यह भी आया कि अब कह चुके तो एकदम इंकार भी नहीं किया जा सकता। मन में थोड़ी दुविधा तो थी पर कुछ-कुछ विश्वास भी था। आखिर संन्यासी को सम्राट ने अपने रथ में बैठाया और रथ महल की ओर चल पड़ा। महल में आकर सम्राट ने संन्यासी को सबसे सुंदर और सबसे ज्यादा सुविधाओं वाले कक्ष में ठहरा दिया। अब वह संन्यासी अच्छा भोजन करता, शानदार गद्दों-तकियों पर सोता। इसी तरह छह महीने गुजर गए। सम्राट के मन की शुरुआती शंका अब बल पकड़ रही थी। आखिरकार एक दिन सम्राट ने संन्यासी से कहा, महाराज, मुझे एक बात बताएं कि अब मुझमें और आपमें क्या भेद है? अब तो हम एक जैसे ही हैं, बल्कि आपकी हालत मुझसे भी बेहतर है क्योंकि आपको तो न कोई काम है और न कोई चिंता। हम चौबीस घंटे परेशान होते हैं, राज्य में कहीं न कहीं कोई न कोई समस्या, कोई न कोई उपद्रव होता ही रहता है। आसपास के राजाओं के आक्रमण का डर अलग, सो सेना पर बहुत खर्च करना पड़ता है। आप मजे कर रहे हैं, किसी गृहस्थ से भी कहीं ज्यादा मजे कर रहे हैं। फिर आपमें और किसी गृहस्थ में क्या फर्क है। उस संन्यासी ने कहा कि यह सवाल तो तुम्हारे मन में उसी वक्त उठ गया था जब मैं पेड़ के नीचे बैठा था और तुम्हारे प्रस्ताव पर तुरंत महल में आने को तैयार हो गया था। मुझे तुम्हारी शंका का ज्ञान तो उसी वक्त हो गया था, लेकिन अगर मैं उस वक्त आने से इंकार कर देता तो तुम यह सवाल कभी न पूछते। ये छह महीने महल में न गुजरते तो तुम्हें शंका ही न होती, और अगर शंका न होती तो जवाब कैसे मिलता? अपने और मेरे बीच के उस पर्क को जानना चाहते हो तो कल सुबह तुम्हें तुम्हारे सवाल का जवाब मिल जाएगा। कल सुबह हम उठ कर गांव के बाहर चलेंगे।

अगले दिन सवेरे दोनों एक साथ गांव के बाहर निकले। सूरज उग आया। सम्राट ने कहा, अब बता दें। उसने कहा, थोड़े और आगे चलें। दोपहर हो गई, साम्राज्य की सीमा आ गई। फिर नदी आ गई, नदी पार होने की बारी आई तो सम्राट ने कहा कि अब क्यों घसीटे जा रहे हैं? कहना हो तो कह दें। तब उस संन्यासी ने बड़ी शांत आवाज में और बड़े धीरज के साथ कहा कि अब मैं तो जाता हूं, मैं अब पीछे लौटने वाला नहीं हूं, तुम भी मेरे साथ रहना चाहो तो चलो। संन्यासी के प्रस्ताव के उत्तर में सम्राट ने कहा कि यह कैसे हो सकता है? मैं कैसे आ सकता हूं? पीछे राज्य है, पत्नी है, बच्चे हैं, धन-दौलत है, सारा हिसाब-किताब है, मेरे बिना कैसे चलेगा? तो संन्यासी ने कहा कि फर्क समझ में आया या नहीं? मैं जा रहा हूं और तुम नहीं जा सकते। मैं जब पेड़ के नीचे बैठता था तब भी मन में कोई इच्छा नहीं थी, न कुछ पाने की इच्छा, न कुछ खो जाने का डर। जब मैं महल में था, तब भी वही हाल था, न कुछ पाने की इच्छा, न कुछ खो जाने का डर। अब सम्राट के ज्ञान चक्षु खुले, उसे पर्क समझ आया तो सम्राट एकदम से संन्यासी के पैरों पर गिर पड़ा और बोला कि मैं भी कैसा मूढ़ हूं कि आप सरीखे महापुरुष को छोड़े दे रहा हूं। महाराज, आप वापस चलिए। उस संन्यासी ने कहा, मैं तो चल सकता हूं, लेकिन फिर सवाल उठ आएगा। मैं तो अभी चल सकता हूं कि मुझे क्या फर्क है कि इस तरफ गया या उस तरफ गया, पर तुम्हारे सुख-चैन के लिए यही बेहतर है कि मैं सीधा जाऊं, और फिर न लौटूं, फर्क तो तभी समझ आएगा। फर्क एक ही है संन्यासी और संसारी में कि संसारी लिप्त है, ग्रस्त है, पकड़ा हुआ है, जाल में बंधा है। संन्यासी भी वहीं है, लेकिन किसी भी क्षण जाल के बाहर हो सकता है। पीछे लौट कर नहीं देखेगा। संन्यासी वही है जो पीछे लौट कर नहीं देखता। जो हुआ, हुआ।

जो नहीं हुआ, नहीं हुआ। जहां से हट गया, हट गया। संसारी ग्रसित हो जाता है, बंध जाता है। ऐसा नहीं है कि महल किसी को बांधते हैं, महल क्या बांधेंगे? हमारा मोह हमें बांध लेता है। इतना ही भेद है। भेद बहुत बारीक है और भेद बहुत आंतरिक है। सम्राट के मन में जो द्वंद्व था वह इस कारण था कि सम्राट सोचता था कि संन्यासी तो त्यागी होता है, त्याग ही उसकी पहचान है और संसारी भोगी। संन्यासी को पर्वत पर रहना चाहिए और संसारी को परिवार में रहकर सारे सुख भोगने चाहिएं। तब सम्राट को यह ज्ञान नहीं था कि संन्यास तो मन से है। संन्यास तो इस बात से है कि इच्छाएं खत्म हो गईं और डर भी जाता रहा। न कुछ नया पाने की इच्छा और न कुछ खोने का डर। जब अपना कुछ है ही नहीं तो कैसा मोह और कैसा डर? संन्यासी तो साक्षी है। त्याग में भी साक्षी रहता है और भोग में भी साक्षी ही रहता है। सुख में भी साक्षी रहता है और दुख में भी साक्षी रहता है। साक्षी स्वाद है संन्यास का। जिसने भी इसे समझ लिया वो संन्यासी हो गया और संन्यास की उस ऊंचाई पर पहुंच गया जो उसका असली घर है। सत्व का घर, सत्य का घर, प्रेम का घर, संन्यास का घर। चल खुसरो घर आपने!

स्पिरिचुअल हीलर

राशिफल

अश्विन माह, कृष्ण पक्ष चतुर्दशी **(विक्रम संवत् 2082)**

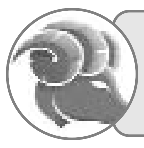

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भाग्य साथ देगा, लाभ के योग बन रहे हैं। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। कार्यों की विघ्न, बाधा खत्म होगी।

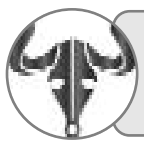

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा

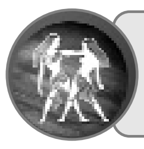

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
बच के पार करें। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है।

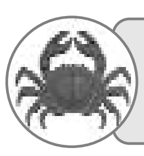

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे लेकिन थोड़ा सा स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
संतान पक्ष से थोड़ा मन खिन्न रहेगा। प्रेम में तू तू मैं मैं के संकेत हैं। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय।

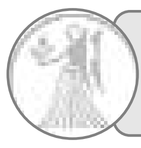

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
गृह कलह के संकेत हैं। लेकिन भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि होगी। मां के स्वास्थ्य में सुधार।

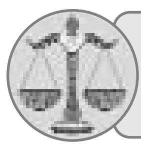

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। प्रेम, संतान अच्छा, व्यापार अच्छा।

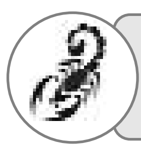

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। मित्रों में वृद्धि होगी। सबके साथ बहुत आनंददायक जीवन गुजारेंगे।

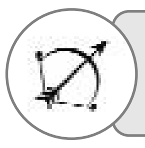

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
पॉजिटिव का संचार होगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर होगा, प्रेम संतान का साथ होगा। व्यापार अच्छा रहेगा , लाभ के संकेत।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मन परेशान रहेगा खर्च की अधिकता रहेगी। चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
नए-नए स्रोत बनेंगे आय के। पुराने स्रोत भी कायम रहेंगे। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यावसायिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा है, प्रेम संतान का साथ है।

शारदा विवि में कम्युनिटी कनेक्ट विजिट का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेनो के नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ ने उन्नत भारत अभियान और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नगला चरनदास गांव कम्युनिटी कनेक्ट विजिट का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विधि विद्यार्थियों ने ग्रामीण समुदाय से संवाद स्थापित कर प्रश्नावली आधारित सर्वेक्षण किया। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की सामाजिक, आर्थिक और विधिक वास्तविकताओं को समझना था। विद्यार्थियों ने घर-घर जाकर स्थानीय निवासियों की समस्याओं को सुना, उनकी चुनौतियों को दर्ज किया तथा उनसे जुड़े कानूनी एवं सामाजिक पहलुओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया।

स्कूल ऑफ लॉ के डीन डॉ ऋषिकेश दवे ने बताया की कार्यक्रम सिर्फ समस्याओं को दर्ज करने तक ही यह कार्यक्रम सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, कल्याणकारी नीतियों, महिला एवं बाल अधिकार, शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी प्रावधानों के प्रति भी जागरूक किया। विशेष रूप से सामाजिक परिवर्तन से जुड़े मुद्दों जैसे- महिला सशक्तिकरण, बच्चों की शिक्षा, रोजगार के अवसर, और विधिक सहायता प्राप्त करने के उपाय पर चर्चा की गई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विधि शिक्षा को कक्षा की चारदीवारी तक सीमित न रखते हुए समाज के बीच ले जाना था, जिससे विद्यार्थी वास्तविक जीवन की परिस्थितियों को समझ कर भविष्य में एक उत्तरदायी, संवेदनशील और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पित विधि-व्यवसायी बन सकें।

कार्यक्रम का सफल संचालन कम्युनिटी कनेक्ट कोऑर्डिनेटर डॉ बरनाली खारा, डॉ निम्मी अग्रवाल के मार्गदर्शन में हुआ। वहीं, संकाय समन्वयक डॉ वैशाली अरोड़ा एवं डॉ मानवेंद्र सिंह का विशेष सहयोग रहा। शारदा वेलफेयर के देशराज सिंह और बबीता का भी विशेष आभार, जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम और भी प्रभावी व सार्थक बन सका।

अधिकारियों ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के पीजीएम संदीप चंद्रा, डीजीएम एस.के. जैन एवं स्वास्थ्य विभाग के सीनियर मैनेजर चेतराम, सहायक प्रबंधक गौरव बघेल, चमन नागर ने सेक्टर बीटा वन में साफ सफाई व पार्कों का निरीक्षण किया।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों से सेक्टर बीटा वन की बाउंड्री वॉल जो आज तक नहीं हुई है बाउंड्री वॉल की जगह तार फेंसिंग की हुई है उसकी जगह या तो बाउंड्री वॉल की जाए या अल्फा वन की तरह लोहे की रेलिंग लगवाई जाए।

नंबर-2- फॉरेस्ट पार्क की बाउंड्री वॉल की स्थिति बहुत ही दयनीय है वन विभाग पार्क की बाउंड्री वॉल टूटी हुई है बाउंड्री वॉल दोबारा से बनाने का कार्य किया जाए। इस मौके पर आरडब्लूए अध्यक्ष संगीता शर्मा, महासचिव हरेंद्र भाटी, संरक्षक शीतला प्रसाद, रामकला प्रधान, कोषाध्यक्ष विपिन भाटी, विनोद कसाना, राजवीर सिंह, उपाध्यक्ष, रेशपाल, चो जयपाल, महेंद्र सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग ने चलाया सफाई जागरूकता अभियान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की स्वास्थ्य विभाग की टीम ने आज सेक्टर गामा-2 में साफ सफाई को लेकर जागरूकता अभियान चलाया और अपील की कि अपने घर वा दुकान का कूडा इधर उधर ना फेंककर गाड़ी / ट्रैक्टर वाले को दे जिससे आसपास सफाई व्यवस्था बनी रहे। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष पवन नागर, महासचिव अशोक कसाना, गजेंद्र चौधरी, सैनेटरी इंस्पेक्टर राकेश पाल मौजूद रहे।

इफको फूलपुर इकाई में हुआ काव्यपाठ

प्रयागराज (ब्यूरो)। इफको घियानगर फूलपुर में हिंदी सप्ताह के अंतर्गत काव्य पाठ का आयोजन सामुदायिक केन्द्र में हुआ। काव्य पाठ में इफको कर्मचारी, महिलाएँ तथा बच्चों ने संस्कृति, प्रकृति, देशभक्ति और सामाजिक मुद्दों जैसे विषयों पर हिंदी कविताएँ प्रस्तुत कीं, जो श्रोताओं और निर्णायकों को प्रेरित करने वाली थीं। यह प्रतियोगिता न केवल हिंदी भाषा का उत्सव थी, बल्कि कविता के माध्यम से लोगों को एकजुट करने का भी एक प्रयास था। कार्यक्रम का संचालन हेमलता सिजोरिया ने किया।

इस दौरान महाप्रबंधक रत्नेश कुमार, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः ए.के.गुप्ता एवं पी.के. वर्मा, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी, महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इंप्लॉयी यूनियन के महामंत्री विजय कुमार यादव तथा बड़ी संख्या में घियानगरवासी मौजूद रहे।

सांसद के साथ भाजपाइयों ने देखी पीएम मोदी पर बनी फिल्म

नोएडा (चेतना मंच)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन अवसर पर चल रहे सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत आज भाजपा नोएडा महानगर द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डॉ. महेश शर्मा की उपस्थिति में लॉजिक्स मॉल के थियेटर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित फिल्म देखी।

इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद डॉ. महेश शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। वे करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा हैं, जिन्होंने यह सिद्ध किया कि दृढ़ निश्चय, ईमानदारी और अथक परिश्रम से कोई भी व्यक्ति राष्ट्र के सर्वोच्च पद तक पहुँच सकता है। उनके नेतृत्व में भारत वैश्विक मंच पर एक नई पहचान बना रहा है और 'विकसित भारत 2047' का सपना साकार हो रहा है।

जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी का पूरा जीवन राष्ट्र और समाज की सेवा को समर्पित है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रवक्ता भाजपा गोपाल कृष्ण अग्रवाल के महानगर महामंत्री डिंपल आनंद, चंदगीराम यादव, पूनम सिंह, मनोज चौहान, भूपेश चौधरी, प्रज्ञा पाठक, अर्पित मिश्रा, अशोक मिश्रा ,दीपक शर्मा,अमित नागपाल, ऊषा किशोर, रमेश शेखर, रचना जैन, मीनाक्षी चौहान, डी.एस रावत, पुष्पा रावत,किशन बेनीवाल, गोपाल चौहान, सुनीता मिश्रा, वीरेंद्र गुप्ता, युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय निवासियों की उपस्थिति रही।

वाहन चोर गिरोह के चार बदमाश गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस ने अलग-अलग स्थान से वाहन चोर गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से अवैध हथियार व चोरी के 13 दो पहिया वाहन बरामद हुए हैं। पकड़े गए वाहन चोरों ने नोएडा में दिल्ली में वाहन चोरी की दर्जनों वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है।

थाना सेक्टर 49 प्रभारी अनुज कुमार ने बताया कि पुलिस टीम बरौला क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि दो वाहन चोर चोरी की बाइक के साथ केंद्रीय विहार की तरफ जाने वाली सर्विस रोड पर पेट्रोल पंप के पास खड़े हुए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम तुरंत बताए गए स्थान पर पहुंची। मुखबिर के इशारे पर पुलिस ने पेड़ के नीचे बाइक पर बैठे दो युवकों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में दोनों युवकों ने अपने नाम आकाश पुत्र संजय व कासिम पुत्र रिफाकत अली बताया। पुलिस टीम ने जब दोनों से बाइक के पेपर मांगे तो वह दिखा नहीं पाए। पूछताछ करने पर दोनों ने स्वीकार किया कि उक्त बाइक चोरी की है। उन्होंने इस बाइक को सेक्टर 5 नोएडा से चोरी किया था। दोनों ने होशियारपुर में स्थित पतंजलि स्टोर में एक माह पहले चोरी की घटना को भी अंजाम देना स्वीकार किया। सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों आरोपियों ने बताया कि वह दो पहिया वाहन चोरी करने की घटनाओं को अंजाम देते हैं। चोरी के दो पहिया वाहनों को वह सस्ते दामों में बेच देते हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए वाहन चोरों की निशानदेही पर सेक्टर 50 में खाली जगह पर खड़ी 6 अन्य बाइक तथा तीन स्कूटी बरामद हुई। वाहन चोरों ने बताया कि उन्होंने यह वाहन अलग-अलग थाना क्षेत्र से चोरी किए हैं।

वहीं थाना बीटा दो पुलिस ने डोमिनोज गोल चक्कर के पास चैकिंग के दौरान बाइक पर आ रहे दो युवकों को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवारो ने भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिसकर्मियों ने उन्हें दबोच लिया। तलाशी में उनके पास से एक-एक चाकू बरामद हुआ।

पूछताछ में पकड़े गए बदमाशों ने अपने नाम अंकित व इलियास बताए। दोनों ने स्वीकार किया कि उनसे बरामद बाइक चोरी की है और इस बाइक को उन्होंने नोएडा से चोरी किया था।सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों वाहन चोरों ने स्वीकार किया कि उन्होंने दिल्ली से भी मोटरसाइकिल चोरी की है। चोरी की दो मोटरसाइकिलों को उन्होंने सिटी पार्क के पास छुपा कर खड़ा कर रखा है। दोनों वाहन चोरों को लेकर पुलिस सिटी पार्क पहुंची और उनकी निशान देही पर चोरी की दोनों बाईकों को बरामद कर लिया। बरामद बाइक दिल्ली से चोरी की गई थी।पकड़े गए वाहन चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है।

पृष्ठ एक के शेष....

कल निकलेगी अग्रसेन....

राष्ट्रीय अध्यक्ष राधा कृष्ण गर्ग ने बताया कि इस भव्य शोभा यात्रा में छह रथ पर सात स्वरूप होंगे जिसमें महाराजा अग्रसेन, माता लक्ष्मी, दानवीर भामाशाह, महाराजा टोडरमल, महर्षि च्यवन ऋषि, राधा जी एवं भगवान श्री कृष्ण जी का स्वरूप होगा।

इस भव्य शोभा यात्रा में शहर के अति सम्मानित समाज के लोगों के साथ साथ विशिष्ट अति विशिष्ट सर्व वैश्य समाज के लोग भी होंगे शोभा यात्रा में चार घोड़े, 100 बाइक, 50 कार, 06 बैंड दो ढोल वाले एवं शहर के अनेक लोगों के साथ भव्य शोभा यात्रा की झाकियों का 11 जगह पर सभी स्वरूपों की पूजा आरती की जाएगी और जहां-जहां स्वागत होगा वहां स्वागत करने वालों को महाराजा अग्रसेन के द्वारा प्रसाद भी दिया जाएगा।

इस अवसर पर महासचिव राजकुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रोहतास गोयल, मनोज गुप्ता एडवोकेट, डी के मित्तल, सुरेश गुप्ता, अतुल गुप्त, शिव शंकर गुप्ता, मनोज गुप्ता, नवीन पोरवाल, कैलाश शाह, कृष्णा शाह, सुरेन्द्र गर्ग, आदि बहुत से पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अध्यक्ष ने बांटी....

जबकि महिला मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा, शहरी विकास मोर्चा, पूर्वांचल मोर्चा तथा ग्रामीण विकास मोर्चा के न तो अध्यक्षों को मौका मिला और न ही किसी अन्य पदाधिकारी को। पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इनमें से कई ऐसे नेताओं को मुख्यमंत्री के स्वागत करने का सौभाग्य प्रदान किया गया जो न तो पदाधिकारी हैं और न ही पार्टी में उनकी कोई वरिष्ठता है। यहां तक एक मंडल के कोषाध्यक्ष को भी यह अवसर दिया गया। इसको लेकर कई नेताओं में काफी रोष देखा गया। उनका सीधा आरोप है कि महानगर अध्यक्ष ने अपनी परिक्रमा लगाने वाले कई सदस्यों को स्वागत करने वालों की सूची में शामिल करा दिया। जबकि कई बड़े पदाधिकारियों तथा 8 मोर्चों के अध्यक्षों को इससे वंचित रखा गया। इसको लेकर पार्टी में खासी चर्चा है।

ट्रक के नीचे आई....

सूचना मिलते ही वेव सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। जबकि हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुट गई है। मृतक महिला कांस्टेबल की पहचान अनुराधा के रूप में हुई है, जो मुजफ्फरनगर की रहने वाली हैं और उनकी गाजियाबाद में तैनाती थी। गोविन्दपुरम से थाना दादरी गौतमबुद्ध नगर जाते हुए हादसा हुआ।

तमंचे के साथ बदमाश ....

तलाशी में उसके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुए।

पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम शिवम सिंह राठौड़ उर्फ शिबू पुत्र राजकुमार सिंह राठौड़ निवासी छीजारसी बताया।बदमाश ने पूछताछ के दौरान बताया कि उसने तमंचा गाजियाबाद में एक व्यक्ति से खरीदा था। वह बाइक पर सवार होकर किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए बदमाश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है। कागजात न होने के कारण आरोपी से बरामद बाइक को सीज कर दिया गया है।

बदमाशों से मुठभेड़....

घटना में प्रयुक्त कार व अवैध हथियार बरामद हुए हैं।

सेंट्रल जोन की एडीसीपी शैव्या गोयल ने बताया कि थाना बिसरख प्रभारी मनोज कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ एस सिटी गोल चक्कर के पास चैकिंग कर रहे थे। चार मूर्ति की तरफ से आ रही एक कार को पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया। कार सवार व्यक्तियों ने रुकने के बजाय कार को मोड़कर खैरपुर गोल चक्कर की तरफ भागने का प्रयास किया। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने कार का पीछा कर उन्हें घेर लिया। खुद को घिरा देखकर कार सवार व्यक्तियों ने कार से उतरकर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी।

घायल बदमाशों की पहचान सोनू पुत्र कलवा निवासी चरण सिंह कॉलोनी थाना विजयनगर गाजियाबाद तथा गौरव पुत्र गजेंद्र सिंह निवासी ग्राम पटवाडी थाना बिसरख गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई।

एडीसीपी ने बताया कि पुलिस ने कांबिंग के दौरान घायल बदमाशों की महिला साथी काजल उर्फ पायल पत्नी सूरज निवासी तिगरी को भी गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से ज्वेलर्स की दुकान से चोरी किए गए करीब 6 लाख रुपए मूल्य के सोने चांदी के आभूषण, घटना में प्रयुक्त वेगनर कार, एक-एक तमंचा व कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए बदमाशों ने बताया कि उन्होंने 13 सितंबर की रात्रि को ग्राम एमनाबाद में स्थित ज्वेलर्स की दुकान का ताला तोड़कर सोने व चांदी के जेवरात चोरी किए थे। चोरी के इन जेवरातों को वह बेचने के लिए जा रहे थे। इस दौरान वह पुलिस के हत्थे चढ़ गए। घायल बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए सोनू पर गाजियाबाद व गौतमबुद्धनगर में 7 तथा गौरव पर दो मुकदमे पंजीकृत हैं।

जमीनी विवाद में सगे....

उसके भाई कालू, भतीजे दीपक, सुरेंद्र, किरण पाल आदि उसकी दीवार को तोड़ने लगे। उसने जब इस बात का विरोध किया तो सभी ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। वहीं दूसरे पक्ष के दीपक यादव ने दर्ज कराई

रिपोर्ट में बताया कि वह अपने पिता कालूराम के साथ अपने प्लॉट पर बैठा हुआ था। इस दौरान मदनपाल उर्फ मदन, महेंद्र यादव, सचिन यादव और सौरव यादव आदि ने उनके साथ गाली गलौज व मारपीट की। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग टेन्डर नोटिस

उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण/योजना/उ०म०रे० प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई निविदा (टू-पेंकेट सिस्टम) "चुनार-चोपन खंड के दोहरीकरण परियोजना के संबंध में चुनार-सोनभद्र के बीच भारतीय रेल विनिर्देश के अनुसार ट्रैक गिट्टी की आपूर्ति" आमंत्रित की जाती है:-

ई-टेन्डर क्रमांक: CEN-CAR-CPU-2025-26-02	
कार्य का विवरण: "चुनार-चोपन खंड के दोहरीकरण परियोजना के संबंध में चुनार-सोनभद्र के बीच भारतीय रेल विशिष्टयों अनुसार ट्रैक गिट्टी की आपूर्ति"।	
अनुमानित लागत (रुपए): 44.33 करोड़	**निविदा बन्द होने की तिथि:** 14.10.2025
कार्य पूर्ण करने की अवधी: 12 माह	
No. CEN-CAR-CPU-2025-26-02 Dated: 17.09.2025	

• ऑन लाइन निविदा दिनांक 14.10.2025 को 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है। • पूर्ण जानकारी तथा निविदा जमा करने के लिए कृपया भारतीय रेल की वेबसाईट www.ireps.gov.in देखें। 1699/25(D)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

अब भाजपा ने किया राहुल पर बड़ा हमला कहा- घुसपैठियों को बनवाना चाहते हैं मतदाता

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते कई दिनों से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लगातार वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि लोगों के जबरियां मतदाता सूची से नाम हटाए जा रहे हैं। ऐसे ही आरोपी के बीच भाजपा ने राहुल गांधी को कटघरे में खड़ा करते हुए उन पर आरोप लगाया है कि वे घुसपैठियों को भारत का मतदाता बनवाना चाहते हैं। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने पलटवार करते हुए कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहां सभी लोग एक साथ रहते हैं, लेकिन घुसपैठियों के लिए यहां कोई स्थान नहीं है। राहुल गांधी घुसपैठियों को वोटर बनवाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे चुनाव आयोग ने सिरे से खारिज कर दिया है। राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग का जवाब बिल्कुल सही है।

मनोज तिवारी ने सवाल उठाया कि यदि राहुल गांधी के आरोपों में सच्चाई है तो उन्होंने चुनाव आयोग को शपथपत्र (एफिडेविट) क्यों नहीं सौंपा। यदि राहुल गांधी के दावे गलत साबित हुए तो उनकी संसद सदस्यता खतरे में पड़ सकती है। बिना सबूत के इस तरह के बयान लोकतंत्र को कमजोर करते हैं। एसआईआर एक सामान्य चुनावी प्रक्रिया है, जो देश के सभी राज्यों में लागू होती है। दिल्ली इस मामले में देश से अलग नहीं है। वहीं, दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने गुरुवार को जनकपुरी स्थित सर्वोदय कन्या विद्यालय में शहर की पहली निपुण शाला का उद्घाटन किया। यह उद्घाटन सरकार की निपुण संकल्प योजना के तहत किया गया, जिसका उद्देश्य स्कूली बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक कौशल में सुधार करना है। इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर हुई, जिसे सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के अवसर पर मनाए जा रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत गुरुवार को सर्वोदय कन्या विद्यालय सी-3 नंबर-1 में हमने एक निपुण शाला का उद्घाटन किया। इससे छात्राओं की बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता में सुधार होगा।

कांग्रेस ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए किया संविधान संशोधन-कानून मंत्री मेघवाल

प्रयागराज (एजेंसी)। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा है कि संविधान बचाने की बात करने वाली कांग्रेस ने अपने शासनकाल के दौरान संविधान को तोड़ने-मरोड़ने और नष्ट करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी सांविधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। इस तरह का कृत्य वह 2019 में कर चुके हैं। जिसका जवाब जनता ने उन्हें दिया था। फिर जनता उनको जवाब देगी। केन्द्रीय मंत्री मेघवाल शुक्रवार को आर्य कन्या डिग्री कॉलेज के स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। कार्यक्रम के बाद वह पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कांग्रेस पर निशान साधते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए संविधान में संशोधन किया। उन्होंने संविधान का दुरुपयोग किया। पीएम मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में अगर संविधान में कोई संशोधन किया है तो वह जनता के हित के लिए किया है अपने स्वार्थ के लिए नहीं किया है। उन्होंने कहा कि भारत का संसद भवन आत्मनिर्भर भारत और महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। महिलाओं संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कार्य मोदी सरकार ने किया है। नए संसद भवन में नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा में पारित कराकर नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया गया है।

दीपोत्सव के मौके पर अयोध्या को फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का तोहफा देने आ रहे सीएम योगी

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अयोध्या को दीपोत्सव के मौके पर फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का तोहफा देने जा रही है। यह रेस्टोरेंट सरयू नदी के किनारे बनेगा और पर्यटकों के लिए एक नया अनुभव होगा। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि यह फ्लोटिंग रेस्टोरेंट 20.5 मीटर लंबा और 8 मीटर चौड़ा है। इसमें 12.6 मीटर का हिस्सा रेस्टोरेंट के लिए उपयोग होगा। एक बार में 35 पर्यटक बैठकर इसका आनंद ले सकते हैं। इसकी लागत 3.59 करोड़ रुपये है। इस फ्लोटिंग रेस्टोरेंट को मुंबई की लिटमस मरीन कंपनी ने बनाया है। यह अयोध्या में पर्यटक निगम का तीसरा व्यावसायिक प्रतिष्ठान होगा। रेस्टोरेंट पूरी तरह से वातानुकूलित है। इसमें आधुनिक लाइटिंग सिस्टम के साथ-साथ एक सुसज्जित किचन भी है। इस तैयार करने में डेढ़ माह का समय लगा और करीब 20 कारीगरों ने तैयार किया है। इसकी खासियत यह है कि यह रेस्टोरेंट 10 से 15 मीटर गहरे पानी में चलेगा। फ्लोटिंग रेस्टोरेंट न सिर्फ खाने-पीने की सुविधा देगा, बल्कि पर्यटकों के लिए फोटोग्राफी का भी बेहतरीन स्थल बनेगा। नदी के बीच से दिखाई देने वाली राम की पैड़ी, घाटों और दीपोत्सव के समय जगमगाती अयोध्या की झलक पर्यटकों के कैमरे में कैद होकर जीवनभर की यादगार बन जाएगी। यह जगह सेल्फी पॉइंट के रूप में भी तेजी से लोकप्रिय हो सकती है।

भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर को अमेरिकी पुलिस ने गोली मारी, पिता ने लगाई मदद की गुहार

महबूबनगर (एजेंसी)। अमेरिका में रह रहे एक तेलंगाना के सॉफ्टवेयर इंजीनियर की पुलिस ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना 3 सितंबर को कैलिफ़ोर्निया के सांता क्लारा में हुई। तेलंगाना के महबूबनगर जिले के रहने वाले 29 साल के मोहम्मद निजामुद्दीन के परिवार का कहना है कि यह घटना कैलिफोर्निया में रूममेट के साथ झगड़े के बाद हुई। निजामुद्दीन के पिता मोहम्मद हसनुद्दीन ने बताया कि उन्हें बेटे की मौत की जानकारी एक दोस्त से मिली। उनका कहना है कि झगड़ा रूममेट से एक मामूली बात को लेकर हुआ था। उन्होंने विदेश मंत्री जयशंकर को पत्र लिखकर मदद मांगी है। सांता क्लारा पुलिस के मुताबिक, 3 सितंबर सुबह 6-18 बजे उन्हें इमरजेंसी कॉल मिली। पुलिस ने बताया कि निजामुद्दीन ने झगड़े के दौरान अपने रूममेट को चाकू मार दिया था और जब पुलिस पहुंची तो वह चाकू लेकर दोबारा हमला करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने जबरन घर में प्रवेश कर उन्हें काबू करने की कोशिश की, इसी दौरान गोली चलाई गई। घायल निजामुद्दीन को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, इस कार्रवाई से कम से कम एक जान बची। मौके से दो चाकू बरामद हुए। हसनुद्दीन ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखकर बेटे का शव महबूबनगर लाने में मदद मांगी है। उन्होंने लिखा, मुझे नहीं पता कि पुलिस ने उसे क्यों गोली मारी, कृपया तत्काल मदद करें। मजलिस बचाओ तहरीक के प्रवक्ता अमजद उल्लाह खान ने भी परिवार की अपील मीडिया के साथ साझा करते हुए सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है।

103 यात्रियों वाले एयर इंडिया के विमान से टकराया पक्षी, कराना पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। विशाखापत्तनम से हैदराबाद जा रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान से एक पक्षी आकर भिड़ गया। विमान में 103 यात्री सवार थे। कहीं कोई समस्या पैदा न हो इसके लिए आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। अधिकारियों के अनुसार, उड़ान भरने के तुरंत बाद विमान के इंजन में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके पीछे हवा में किसी पक्षी से टकराने का संदेह है। विशाखापत्तनम हवाई अड्डे के निदेशक एस राजा रेड्डी ने बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या 2658 के पायलट ने उड़ान भरने के तुरंत बाद आपातकालीन लैंडिंग का अनुरोध किया और हैदराबाद की यात्रा रद्द कर दी। रेड्डी ने बताया, विशाखापत्तनम से रवाना होने के बाद, पायलट ने इंजन में कुछ समस्या की सूचना दी। इसलिए, उन्होंने आपातकालीन लैंडिंग का अनुरोध किया और विशाखापत्तनम लौट आए। विमान सुरक्षित रूप से उतरा और सभी यात्रियों को उतार लिया गया। उन्होंने आगे बताया कि एयरलाइन यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा की व्यवस्था कर रही है। निदेशक ने बताया कि विमान दोपहर 2-38 बजे विशाखापत्तनम से रवाना हुआ और केवल 10 समुद्री मील की दूरी तय करने के बाद दोपहर 3 बजे लौट आया। माना जा रहा है कि यह घटना विमान के ऊपर उठने के दौरान हुई।

केमिकल फैक्ट्री में विस्फोट, एक मजदूर की मौत और चार घायल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर में एक केमिकल फैक्ट्री में गुरुवार शाम विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में एक मजदूर की मौत हो गई और 4 घायल हो गए। धमाका लिंबानी साल्ट इंडस्ट्रीज में गुरुवार शाम को हुआ था। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 7-30 बजे फैक्ट्री में विस्फोट हो गया, जब धातु और एसिड को मिलाया जा रहा था। इस वक्त वहां 5 मजदूर मौजूद थे। रिपोर्ट के मुताबिक पालघर जिला आपदा प्रबंधन सेल के प्रमुख ने कहा कि यह अत्यधिक रिएक्टिव प्रोसेस था, जिसके कारण विस्फोट हुआ। उन्होंने कहा कि एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। दो मजदूरों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। धमाके के बाद अग्निशमन दल और आपदा प्रबंधन कर्मियों सहित आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचीं और हालात पर काबू पाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुंतरी और धूर्मा में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, हटाया जा रहा मलबा

देहरादून (एजेंसी)। कुंतरी एवं धूर्मा गांव आपदा प्रभावित क्षेत्र में मलबे में दबे व्यक्तियों को निकालने के लिए दूसरे दिन रेस्क्यू जारी रहा। पुलिस, प्रशासन, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीमें लगातार राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हैं। कुंतरी लगा फाली में भी राहत बचाव टीम जुटी हुई है।

बेंगलुरु की सड़कों पर हुए गड्ढों को लेकर सियासत शुरु, लोगों को वाहन निकालना हुआ कठिन

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की सड़कों पर गड्ढों की भरमार है। गड्ढे ठीक होते इससे पहले यहां राजनीति शुरु हो गई है। राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार यहां एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों ने उनसे गड्ढों को लेकर सवाल पूछ लिए। इस पर उन्होंने भरोसा दिलाया कि सड़कों की मरम्मत जल्द पूरी होगी इसकी व्यवस्था कर दी गई है। लेकिन जैसे ही उनसे एचडी कुमारस्वामी के एक्स पोस्ट के बारे में पूछा गया कि बेंगलुरु की खराब सड़कों के कारण आईटी कंपनियां डर रही हैं तो शिवकुमार ने पलटवार करते हुए कहा, वे खुद को प्रधानमंत्री का दाहिना हाथ कहते हैं, तो फिर बेंगलुरु के लिए 10,000 करोड़ रुपए क्यों नहीं ला पाए? उन्होंने कहा था कि मेकदाटू प्रोजेक्ट की मंजूरी 5 मिनट में ले आएंगे, क्या हुआ उसका? महादयी और अपर कृष्णा प्रोजेक्ट पर उनकी चुप्पी क्यों है? अगर वो मिट्टी का बेटा हैं, तो महाराष्ट्र द्वारा सुप्रीम कोर्ट में जाने की धमकी पर बयान क्यों नहीं दे रहे? उन्होंने ये भी कहा कि शिक्षण संस्थानों के बच्चों से प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखवाना राजनीति का हिस्सा है, अगर कुमारस्वामी को राजनीति ही करनी है तो सीधे चुनाव लड़ें।

जब उनसे पूछा गया कि इतने हजारों करोड़ खर्च होने के बावजूद गड्ढे क्यों बने रहते हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, यह समस्या सिर्फ ट्वीट करने या प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से नहीं सुलझेगी। हमने अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है और जल्द इसका समाधान होगा। जब उनसे नारा लोकेश द्वारा कंपनियों को आंध्र प्रदेश आने का न्योता देने पर शिवकुमार ने कहा, वहां बिजनेस है ही नहीं, इसलिए बुलावा दे रहे हैं। पीएम ने खुद बेंगलुरु को ग्लोबल सिटी कहा है। यहां 25 लाख इंजीनियर हैं, जबकि कैलिफोर्निया में सिर्फ 13 लाख। यहां 2 लाख से ज्यादा विदेशी प्रोफेशनल्स काम कर रहे हैं। बेंगलुरु का टैलेंट और सिस्टम ही इसकी पहचान है।उन्होंने केंद्र पर भी आरोप लगाया कि बेंगलुरु के विकास के लिए केंद्र सरकार ने एक रुपया भी नहीं दिया।

रात 1.30 बजे ही क्यों ऑपरेशन सिंदूर अंजाम दिया गया... सीडीएस चौहान ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा भारतीय सेना ने अपनी ताकत का एहसास पूरी दुनिया से कराया है। भारतीय सेना का मिशन पूरी तरह सफल रहा और इसकी दुनिया भर खासकर पाकिस्तान में इसकी खूब चर्चा हुई। पाकिस्तान को इस ऑपरेशन में भारी नुकसान हुआ। वहीं ऑपरेशन को लेकर लोगों के मन एक सवाल था कि रात 1.30 बजे ही क्यों ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया। इस सवाल का जवाब सीडीएस अनिल चौहान ने शुक्रवार को दे दिया।

सीडीएस चौहान ने कहा यदि सुबह 5 या 6 बजे के बीच ऑपरेशन चलाते, तब वह समय अजान का होता। इस दौरान वहां कई लोग मौजूद होते, इसकारण सेना ने तय किया कि रात 1.30 बजे कार्रवाई को अंजाम दिया जाए। सीडीएस चौहान ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने एक नए प्रकार के युद्ध की शुरुआत की है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि हमले के दौरान हर बार भारत ने पाकिस्तान को निर्णायक रूप से हराया।

सीडीएस चौहान ने रात के समय कार्रवाई के पीछे कहा कि सेना को अपनी तकनीक पर पूरा भरोसा है। सैटेलाइट इमेज और दूसरी तकनीक के द्वारा सटीक निशाना साधा जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर ने दिखा दिया कि लंबी दूरी के टारगेट को रात में भी कैसे हिट किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि पारंपरिक युद्ध के विपरीत युद्ध भूमि, वायु, समुद्र और साइबर क्षेत्र में लड़ा गया। जनरल चौहान ने कहा कि यहां जीत का एक पैमाना हमारे हमले की उच्च तकनीक थी जिसका प्रदर्शन वहां हुआ। रात के समय लंबी दूरी के लक्ष्यों पर सटीक हमले के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने हर बार पाकिस्तान को निर्णायक रूप से हराया।

बॉम्बे हाईकोर्ट को फिर मिली बम की धमकी, अलर्ट पर मुंबई पुलिस

मुंबई (एजेंसी)। एक बार फिर मुंबई में दहशत का माहौल हो गया जब बॉम्बे हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति ने हेल्पलाइन 112 पर कॉल करके हाई कोर्ट परिसर में बम विस्फोट होने की चेतावनी दी। इस कॉल के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। बम निरोधक दल, डॉग स्क्वॉड और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और कोर्ट परिसर को खाली करवाकर सघन तलाशी अभियान चलाया। मगर कहीं भी कोई संदेहस्पद सामान नहीं मिला। फिलहाल हाई कोर्ट परिसर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और मुंबई पुलिस इस बात की जाँच कर रही है कि कॉल असली थी या फर्जी। उधर एक हफ्ते के अंदर दूसरी बार धमकियाँ मिलने से नागरिकों और कोर्ट कर्मचारियों में डर का माहौल है।

* मुंबई पुलिस ने अलर्ट जारी किया

मुंबई पुलिस ने बम विस्फोट की धमकी के बाद तुरंत अलर्ट जारी किया है। सुरक्षा कारणों से पूरे शहर में कड़े एहतियाती कदम उठाए गए हैं। कोर्ट परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और शहर के महत्वपूर्ण चौराहों, रेलवे स्टेशनों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में गश्ती दलों की संख्या बढ़ा दी गई है। साथ ही, तटीय इलाकों और प्रमुख समुद्री मार्गों पर कड़ी जाँच शुरू कर दी गई है। नौसेना और तटरक्षक बल से भी लगातार संपर्क बनाए रखा जा रहा है। मुंबई पुलिस ने नागरिकों से शांत रहने की अपील की है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने का अनुरोध किया है। आधिकारिक तौर पर कहा गया है कि पुलिस किसी भी संभावित भ्रम से बचने के लिए पूरी तरह तैयार है।

* अज्ञात कॉलर की तलाश जारी

मुंबई पुलिस के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अदालत को प्राप्त 112 धमकी भरे कॉल के स्रोत का पता लगाने का काम तत्काल शुरू कर दिया गया है। तकनीकी टीमें और साइबर अपराध शाखा की एक टीम मामले पर काम कर रही है। पुलिस अब कॉल रिकॉर्ड, नंबर के लोकेशन डेटा, वॉयस कॉल के सिग्नेचर और अन्य डिजिटल सुरागों की गहन जाँच कर रही है। साथ ही, कॉल के कुछ संभावित चैनलों जैसे वॉयसओवर-आईपी, इंटरनेट-आधारित ऐप या स्थानीय सिम की जाँच करके असली कॉलर का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि तकनीकी विश्लेषण से प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर ही जाँच की दिशा तय की जाएगी, इसलिए बिना किसी निष्कर्ष पर पहुँचे सावधानीपूर्वक जाँच की जा रही है।

सुरक्षा उपायों के साथ हेलीकॉप्टर सेवा शुरु, अब आसान होगी चारोंधाम यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मॉनसून अंतराल के बाद 15/16 सितंबर 2025 से चारधाम यात्रा 2025 के लिए हेलीकॉप्टर परिचालन फिर से आरंभ करने की स?वीकृति दे दी है। नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू के नेतृत्व में गहन समीक्षा के बाद चारधाम यात्रा और अधिक सुरक्षित बनाने हेतु महत?वपूर्ण पहल की गई है। सुरक्षा में कोई चूक बिल?कुल बर्दाश्त न करने के स्पष्ट आदेश के साथ, डीजीसीए को सख्त कदम उठाने और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार नायडू ने डीजीसीए, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, राज्य सरकार और उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ देहरादून और दिल्ली में कई समीक्षा बैठकें कीं। नागर विमानन मंत्री के निर्देशों के अनुसार, डीजीसीए ने अपनी टीम द्वारा सभी हेलीपैड, हेलीकॉप्टरों, संचालकों की तैयारियों और सहायता सुविधाओं का व्यापक निरीक्षण/आकलन किया। इसके बाद उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण और हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों को संचालन फिर से आरंभ करने की स?वीकृति दी गई।

इसके अलावा, नागर विमानन महानिदेशालय द्वारा सभी हेलीकॉप्टर संचालक कंपनियों और पायलटों को चुनौतियों तथा तीर्थयात्रा संचालन से संबंधित परिपत्र में अपनाए गए अतिरिक्त सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई। डीजीसीए चारधाम यात्रा हेलीकॉप्टर संचालन पर कड़ी और निरंतर निगरानी रखेगा। मई-जून 2025 में चारधाम सेक्टर में कई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं के बाद, विभिन्न उच्चाधिकार प्राप्त समितियों ने सुरक्षित हेलीकॉप्टर संचालन में सुरक्षा उपायों की सिफ़ारिश की थी, जिनमें भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण - एएआई द्वारा हवाई यातायात नियंत्रकों, भारतीय मौसम विभाग द्वारा मौसम विज्ञान अधिकारियों और उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूसीएडीए) द्वारा नियंत्रण कक्षों में योग्य कर्मियों की तैनाती शामिल है। सुरक्षा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आकस्मिक जांच और आकलन किए जाएंगे। डीजीसीए उच्चतम स्तर की विमानन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसने फिर दोहराया है कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सर्वोपरि है। चारधाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा फिर से आरंभ होने से श्रद्धालुओं को इन पवित्र तीर्थस्थलों तक परिवहन का एक सुरक्षित, कुशल और भरोसेमंद साधन उपलब्ध होने की उम्मीद है।

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक 24 को, एसआईआर और 'वोट चोरी' पर होगा मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस पार्टी ने 24 सितंबर को पटना में अपनी विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बुलाने का ऐलान किया है। इस बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रदेश कांग्रेस कमेटियों और विधायक दलों के नेता, साथ ही कार्यसमिति के स्थायी व आमंत्रित सदस्य शामिल होंगे।

बैठक का मुख्य एजेंडा बिहार में पार्टी की चुनावी रणनीति तैयार करना, सीट-बंटवारे पर चर्चा करना और चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसईआर) की प्रक्रिया पर सवाल उठाना होगा। कांग्रेस का आरोप है कि एसईआर के बहाने बड़े पैमाने पर दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और गरीब वर्गों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं ने कई जगहों पर मृत या डुप्लीकेट नाम जोड़े जाने और जीवित मतदाताओं के नाम काटे जाने की शिकायतें भी दर्ज कराई हैं।

बैठक में 'वोट चोरी' का मुद्दा भी जोरदार ढंग से उठने की उम्मीद है। राहुल गांधी ने हाल में अपनी सभाओं में इस आरोप को लगातार दोहराते हुए कहा है कि जनता के अधिकारों से खिलवाड़ हो रहा है और मतदाता सूचियों में हेरफेर किया जा रहा है। इधर बिहार में महागठबंधन के सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे पर मतभेद बने हुए हैं। कांग्रेस चाहती है कि उसे पर्याप्त सीटें दी जाएँ, जबकि अन्य दल पिछले नतीजों के आधार पर कम सीटें देने के पक्ष में हैं। इसी बीच कांग्रेस ने प्रदेश चुनाव समिति का गठन कर संभावित उम्मीदवारों और सीट वितरण की रूपरेखा तैयार करने का काम शुरू कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पटना में बैठक कर कांग्रेस पार्टी न सिर्फ अपने कार्यकर्ताओं को संदेश देना चाहती है कि केंद्रीय नेतृत्व राज्य की लड़ाई में पूरी ताकत से उतरेगा, बल्कि यह भी दर्शाना चाहती है कि पार्टी चुनाव से पहले पारदर्शिता, मतदाता अधिकार और गठबंधन की मजबूती जैसे अहम मुद्दों पर गंभीर है।

नीरव ने प्रत्यर्पण की प्रक्रिया को फिर से खोलने की मांग रखी, लग सकता है भारत को झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में फंसे कारोबारी नीरव मोदी ने एक नई चाल चली है। उन्होंने ब्रिटेन की अदालत ने उस अपील को स्वीकार कर लिया है, जिसमें उसने अपनी प्रत्यर्पण की प्रक्रिया को फिर से खोलने की मांग रखी। इससे उसे जल्द भारत लाने की कोशिशों को झटका लग सकता है। इस फैसले के बाद भारत सरकार और जांच एजेंसियां लंदन को जवाब भेजने की तैयारी में हैं, ताकि लंबी कानूनी लड़ाई से बचा जा सके। सीनियर अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, नीरव मोदी ने अपनी कानूनी टीम के जरिए पिछले महीने यूके की वेस्टमिंस्टर कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी, जिसमें उसने भारत में प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील को फिर से खोलने की मांग की। अदालत ने इसे स्वीकार कर लिया है और भारत सरकार को नोटिस भेजा गया है।

नीरव ने अपनी अर्जी में दावा किया कि अगर उसे भारत भेजा गया तो कई एजेंसियां उससे पूछताछ करेंगी और इस दौरान उसे यातना का सामना करना पड़ सकता है। अदालत ने अभी इस अर्जी पर सुनवाई की तारीख तय नहीं की है। एक अन्य सरकारी अधिकारी ने कहा, हम विस्तार से जवाब देने की तैयारी कर रहे हैं, जो राजनयिक चैनलों के जरिए भेजा जाएगा। हम नीरव के दावों का खंडन करेंगे। अदालत से इस अर्जी को खारिज करने की अपील करेंगे, क्योंकि प्रत्यर्पण का आदेश 2022 में ही अंतिम हो चुका था। बता दें कि भारत सरकार यह बताने की योजना बना रही है कि अगर नीरव को प्रत्यर्पित किया गया, तो उसका मुकदमा पूरी तरह भारतीय कानून के अनुसार होगा। साथ ही, किसी भी एजेंसी की ओर से उससे पूछताछ नहीं की जाएगी। बता दें कि नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, विश्वासघात, भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और करार उल्लंघन के गंभीर आरोप हैं। 2011 से 2017 तक उन्होंने अपनी कंपनियों (जैसे फायरस्टार डायमंड, सोलर एक्सपोर्ट्स) के लिए पीएनबी के मुंबई ब्रांच से 1,200 से अधिक फर्जी लेटर्स ऑफ अंडरटेकिंग हासिल किए, जो विदेशी बैंकों से कर्ज लेने के लिए इस्तेमाल हुए।

टॉस से चार मिनट पहले पायक्रॉफ्ट को मिला बीसीसीआई का संदेश! हैंडशेक विवाद में बड़ा खुलासा

दुबई, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट के आचरण को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के बीच चला विवाद अब लगभग खत्म होने की ओर है। पीसीबी ने आईसीसी को कई बार पत्र लिखकर पायक्रॉफ्ट को एशिया कप के मैचों से हटाने की मांग की थी। हालांकि, आईसीसी ने साफ कर दिया कि पायक्रॉफ्ट की ओर से किसी तरह के नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ। इसी बीच एक नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि दुबई में खेले गए ग्रुप ए मैच में टॉस से पहले क्या हुआ था।

टॉस से ठीक पहले पायक्रॉफ्ट को मिली जानकारी

भारत-पाकिस्तान मैच के हैंडशेक विवाद पर नई जानकारी सामने आई है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को 'नो हैंडशेक' प्रोटोकॉल की जानकारी टॉस से केवल चार मिनट पहले ही दी गई थी।

एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के वेन्यू मैनेजर ने पायक्रॉफ्ट को मैदान पर जाने से ठीक पहले यह संदेश दिया कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा टॉस के बाद हाथ नहीं मिलाएंगे, जो बीसीसीआई से आया था और भारतीय सरकार की मंजूरी से भेजा गया था।

पायक्रॉफ्ट ने हालात के मुताबिक फैसला लिया

पायक्रॉफ्ट ने तुरंत यह संदेश पाकिस्तान कप्तान सलमान को दे दिया ताकि उन्हें मैदान पर उन्हें कोई असहज स्थिति का सामना न करना पड़े। पायक्रॉफ्ट के पास आईसीसी को इस बारे में सूचित करने का समय नहीं था, इसलिए, उन्होंने सीधे पाकिस्तानी कप्तान सलमान को जानकारी देने का फैसला किया, ताकि उन्हें मैदान पर शर्मिंदगी न उठानी पड़े। इससे साफ होता है कि पायक्रॉफ्ट ने उल्टा पाकिस्तान को ही इस विवाद से बचाने की कोशिश की थी। इस पूरे मामले पर पीसीबी ने बाद में आईसीसी से शिकायत की थी, लेकिन क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने यह कहते हुए पीसीबी की मांग ठुकरा दी कि पायक्रॉफ्ट ने हालात को देखते हुए सही फैसला लिया था।

पीसीबी की शिकायत और विवाद

भारत से हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी से शिकायत की कि पायक्रॉफ्ट ने कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किया है और उन्हें तुरंत मैच रेफरी की जिम्मेदारी से हटाया जाए। पीसीबी ने यहां तक धमकी दे दी थी कि अगर पायक्रॉफ्ट को नहीं हटाया गया तो वे यूएई के खिलाफ होने वाला मैच नहीं खेलेंगे। हालांकि, क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने यह कहते हुए पीसीबी की मांग ठुकरा दी कि पायक्रॉफ्ट ने हालात को देखते हुए सही फैसला लिया था। आईसीसी के जवाब से नाखुश पाकिस्तान ने फिर ड्रामा किया और यूएई से उनका मैच करीब एक घंटे की देरी से शुरू हुआ।

पायक्रॉफ्ट का जवाब और 'माफी'

पीसीबी ने दावा किया कि पायक्रॉफ्ट ने पाकिस्तानी मैनेजर और कप्तान से माफी मांगी। हालांकि, बाद में यह साफ हो गया कि पायक्रॉफ्ट ने सिर्फ 'गलतफहमी पर अफसोस' जताया था, न कि किसी भी नियम के उल्लंघन को स्वीकार किया। आईसीसी ने भी पीसीबी को स्पष्ट कर दिया कि पायक्रॉफ्ट की ओर से किसी तरह का प्रोटोकॉल ब्रेक नहीं हुआ है। अगर उनके पास समय होता तो वह आईसीसी को जानकारी जरूर देते।

आईसीसी ने पीसीबी को दी चेतावनी

पूरे विवाद के बाद आईसीसी ने पीसीबी को चेतावनी जारी की। आईसीसी का मानना है कि यूएई से मैच से पहले पाकिस्तान टीम ने मीटिंग विजुअल्स को सोशल मीडिया पर साझा करके नियमों का उल्लंघन किया। बोर्ड से कहा गया कि भविष्य में इस तरह की हरकत दोहराई न जाए। इतना ही नहीं, नियमों के उल्लंघन और ड्रामे को लेकर आईसीसी पाकिस्तान टीम पर कार्रवाई करने पर भी विचार कर रहा है।

एशिया कप सुपर-4 की सभी टीमें फाइनल

अफगानिस्तान बाहर, श्रीलंका-बांग्लादेश क्वालिफाई

पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश से भिड़ेगी टीम इंडिया

स्पोर्ट्स डेस्क, 20 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप में ग्रुप स्टेज के 11 मैच खत्म होने के बाद सुपर-4 स्टेज की चारों टीमें तय हो चुकी हैं।

गुरुवार को ग्रुप-बी में श्रीलंका ने अफगानिस्तान को हराकर उन्हें बाहर कर दिया। इस नतीजे से बांग्लादेश टीम भी श्रीलंका के साथ अगले राउंड में पहुंच गई। ग्रुप-ए से भारत और पाकिस्तान ने क्वालिफाई किया।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को क्वालिफाई करवाया

गुरुवार को श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच अबू धाबी में मैच खेला गया। अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए 169 रन बनाए। श्रीलंका को क्वालिफाई करने के लिए 101 रन की जरूरत थी। टीम ने न सिर्फ इस स्कोर को पार किया, बल्कि 19वें ओवर में मुकाबला भी जीत लिया। ग्रुप-बी में श्रीलंका ने लगातार तीसरा मैच जीता और 6 पॉइंट्स लेकर अगले राउंड में जगह बनाई। अगर श्रीलंका टीम 101 रन बनाने के बाद मैच हार जाती तो बेहतर रन रेट के कारण अफगानिस्तान क्वालिफाई कर जाती और बांग्लादेश बाहर हो जाती। हालांकि, श्रीलंका ने मैच जीता और अपने साथ बांग्लादेश को भी अगले राउंड में एंट्री दिलवा दी।

भारत का पहला मैच पाकिस्तान से

बुधवार को ग्रुप-ए से पाकिस्तान ने सुपर-4 राउंड में एंट्री की थी। इसी के साथ तय हो गया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच अगला मैच 21 सितंबर को दुबई में होगा। इस राउंड में भारत 24 सितंबर को बांग्लादेश और 26 सितंबर को श्रीलंका से भिड़ेगा। सुपर-4 के पॉइंट्स टेबल में टॉप-2 पोजिशन पर रहने वाली टीमों के बीच 28 सितंबर को दुबई में फाइनल खेला जाएगा।

ग्रुप स्टेज का एक मैच बाकी

ग्रुप स्टेज में भारत और ओमान का एक मैच बाकी है। यह मुकाबला आज अबू धाबी में खेला जाएगा।

टीम इंडिया ने अगले राउंड में एंट्री कर ली है, टीम अगर आज हार भी गई तो शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं होगा। ऐसे में भारतीय टीम आज प्लेइंग-11 में नए प्लेयर्स को मौका दे सकती है।

चाइना मास्टर्स में पी.वी. सिंधु क्वार्टर फाइनल में हारीं

एन से यंग ने सीधे गेमों में हराया; सिंधु अब तक उनसे नहीं जीत सकी हैं

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु का वर्ल्ड नंबर-1 एन से यंग के खिलाफ हार का सिलसिला जारी रहा। शुक्रवार को चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के विमेंस सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में सिंधु को कोरिया की इस खिलाड़ी ने सीधे गेमों में 21-14, 21-13 से हराया। यह मुकाबला मात्र 38 मिनट तक चला। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट सिंधु का एन से यंग के खिलाफ यह लगातार आठवीं हार थी। 23 साल की कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ सिंधु अब तक एक भी मैच नहीं जीत पाई हैं। एन से यंग पेरिस ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट हैं।

पहले गेम में सिंधु की शुरुआत कमजोर

इस मैच में सिंधु की शुरुआत कमजोर रही। पहले 1-6 से पिछड़ने के बाद उन्होंने वापसी की कोशिश की और स्कोर 5-9 तक पहुंचाया। हालांकि, एन से यंग ने बाद में 11-5 की बढ़त बना ली। सिंधु ने फिर से वापसी की कोशिश की और स्कोर 11-14 तक पहुंचाया, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने अपनी पकड़ बनाए रखी। आखिरकार, एन से यंग ने पहला गेम 21-14 से जीत लिया।

दूसरे गेम में सिंधु ने बढ़त बनाई, पर बाद में पिछड़ गई

दूसरे गेम में सिंधु ने शुरुआत में 3-2 की बढ़त बनाई, बाद में एन ने वापसी की और स्कोर को 7-8 तक पहुंचाया और फिर उन्होंने बढ़त 11-7 कर लिया।

बाद में एन ने इसे 14-7 कर लिया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। अंत में कोरियाई खिलाड़ी ने गेम को 21-13 से समाप्त कर जीत हासिल की। सिंधु हॉन्गकॉन्ग ओपन के पहले दौर में हार कर बाहर हो गई थीं।

सुनील गावस्कर की सलाह : जसप्रीत बुमराह को आराम दे टीम इंडिया

मुंबई, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने टीम इंडिया से आग्रह किया है कि वह शुक्रवार को ओमान के खिलाफ होने वाले एशिया कप 2025 के अंतिम लीग चरण के मैच में जसप्रीत बुमराह सहित अपने स्टार खिलाड़ियों को आराम दें और पाकिस्तान के खिलाफ पहले सुपर 4 मैच में इस स्टार तेज गेंदबाज को ब्रेक देने पर भी विचार करें।

सुनील गावस्कर ने यह भी कहा कि भारत ओमान के खिलाफ इस बेहद कड़े मुकाबले में बल्लेबाजी क्रम के साथ प्रयोग कर सकता है। टीम मैनेजमेंट उन खिलाड़ियों को कुछ समय के लिए बल्लेबाजी का मौका दे सकता है, जिन्हें संयुक्त अरब अमीरात और पाकिस्तान के खिलाफ अन्य खिलाड़ियों की तरह क्रीज पर उतना समय नहीं मिला।

'हाथ मिलाने पर नहीं, क्रिकेट पर ध्यान दें'

> हैंडशेक विवाद पर भड़के कपिल देव, पाकिस्तान को दी नसीहत

दुबई, 20 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 के दौरान ग्रुप स्टेज में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा की तरह हाईवोल्टेज रहा। रविवार को दुबई में खेले गए मैच में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। हालांकि, मैच के बाद असली सुर्खियां टीम इंडिया के खिलाड़ियों के फैसले ने बटोरीं। भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाए बिना ड्रेसिंग रूम में लौट गई।

इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। पाकिस्तान ने तो इस पर विवाद खड़ा कर दिया। उसने आईसीसी तक से शिकायत कर दी। हालांकि, उन्हें ही आईसीसी से मुंह की खानी पड़ी। अब इस पूरे मामले पर भारत के दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि इन बयानबाजी से दूर रहकर क्रिकेट पर ध्यान दें। यह मुकाबला पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों टीमों के बीच पहला मैच था। इस हमले के बाद भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। सूर्यकुमार यादव ने मैच के बाद जीत को भारतीय सेना को समर्पित किया और कहा कि टीम पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों के परिवारों के साथ खड़ी है।

कपिल देव का बयान

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कपिल देव ने इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पाकिस्तानी टीम या खिलाड़ियों को खेल पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा- ये सब छोटी-छोटी बातें हैं। ध्यान क्रिकेट खेलने पर होना चाहिए। अगर कोई हाथ नहीं मिलाना चाहता है तो इसे बड़ा मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। दोनों तरफ से बेवजह बयानबाजी करना ठीक नहीं है। पाकिस्तान ने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। उन्हें अपने खेल पर काम करना चाहिए। यह व्यक्तिगत पसंद है कि कोई हाथ मिलाना चाहता है या गले लगाना।' भारत ने इस मुकाबले में पहले गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तान को 127/9 के स्कोर पर रोक दिया। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। कप्तान सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर टीम को आराम से जीत दिलाई। यह भारत की ग्रुप स्टेज में लगातार दूसरी जीत थी। भारत और पाकिस्तान का सामना 21 सितंबर को फिर से होना है। सुपर-फोर स्टेज में यह मुकाबला खेला जाएगा।

कपिल देव ने दी टीम इंडिया को बधाई

कपिल देव ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, 'भारतीय टीम पिछले 20 वर्षों से बहुत अच्छा खेल रही है। हमारी क्रिकेट बहुत संगठित है और आईसीसी टूर्नामेंट्स में हमेशा शानदार प्रदर्शन करती है। मुझे पूरी उम्मीद है कि टीम इंडिया एशिया कप 2025 जीतेगी।' भारत ने एशिया कप में अब तक खेले गए दोनों मैचों में जीत दर्ज की है।

अंतिम पंघाल का वर्ल्ड चैंपियनशिप में दूसरा ब्रॉन्ज मेडल

विनेश के बाद दो मेडल जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला; ग्रीको-रोमन पहलवानों को कोई मेडल नहीं

53 किग्रा वर्ग में अंतिम के मेडल

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप में महिलाओं के 53 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। उन्होंने स्वीडन की U-23 वर्ल्ड चैंपियन एम्मा जोन्ना डेनिस मालमग्रेन को 9-1 से हराया। यह भारत का इस टूर्नामेंट में पहला और एकमात्र मेडल रहा।

ओलिंपिक हार के बाद दमदार वापसी

अंतिम का यह वर्ल्ड चैंपियनशिप में दूसरा मेडल है। इससे पहले 2023 में भी उन्होंने ब्रॉन्ज जीता था। हालांकि, 2024 पेरिस ओलिंपिक में वह पहले दौर में हारकर बाहर हो गई थीं। इस बार के मेडल से उन्होंने एक शानदार वापसी की है, बल्कि भारतीय कुश्ती में अपनी मजबूत स्थिति भी साबित की। अंतिम पंघाल विनेश फोगाट के बाद दूसरी भारतीय महिला पहलवान बन गई हैं, जिन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप में एक से अधिक मेडल जीते हैं। अन्य भारतीय महिला पहलवानों जैसे अल्का तोमर, गीता फोगाट, बबीता फोगाट, पूजा ढांडा, सरिता मोर और अंशु मलिक के नाम केवल एक-एक वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल है।

ग्रीको-रोमन पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन

इस चैंपियनशिप में भारतीय ग्रीको-रोमन पहलवानों का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। गुरुवार को मैदान में उतरे चारों पहलवान न तो कोई मुकाबला जीत सके और न ही अंक हासिल कर पाए। सबसे चौंकाने वाली हार 55 किग्रा वर्ग में अनिल मोर की रही, जिन्हें वर्ल्ड नंबर-1 अजरबैजान के एल्डानिज अजीजली ने केवल 13 सेकंड में तकनीकी श्रेष्ठता से हरा दिया। अजीजली ने अनिल को हेडलॉक में फंसाकर कई फ्लिप्स किए और मुकाबला समाप्त कर दिया। अजीजली के सेमीफाइनल में हार जाने के बाद अनिल को रेपेचेज का मौका भी नहीं मिला।

इसी तरह, 77 किग्रा वर्ग में अमन जापान के नाओ कुसाका से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गए। हालांकि कुसाका के फाइनल में पहुंचने से अमन को रेपेचेज का मौका मिला, लेकिन वहां भी वह यूक्रेन के इहोर बायचकोव से हारकर बाहर हो गए।

चेन्नई ओपन 2025 श्रीलंका के एन थंगराजा शीर्ष पर पहुंचे

चेन्नई, 20 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के एन. थंगराजा को यहां कॉस्मो टीएनजीएफ गोल्फ कोर्स में खेले जा रहे एक करोड़ रुपये इनामी चेन्नई ओपन 2025 के तीसरे राउंड में टूर्नामेंट के न्यूनतम स्कोर नौ अंडर 63 की बराबरी करते हुए लीडरबोर्ड में शीर्ष पर पहुंच गए। तीसरे राउंड को 'मूविंग डे' के रूप में भी जाना जाता है।

थंगराजा (69-66-63), जो मध्यांतर तक संयुक्त चौथे स्थान पर थे, ने तीसरे दिन अच्छी शुरुआत की और तीन स्थान ऊपर चढ़कर 18-अंडर 198 के स्कोर के साथ एक शॉट की बढ़त बना ली। पीजीटीआई में पांच बार विजेता रहे थंगराजा, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में अपनी आखिरी जीत हासिल की थी।

दुनिथ विल्लालागे के पिता का निधन

अफगानिस्तान से मैच के बाद जानकारी मिली, श्रीलंकाई ऑलराउंडर का सुपर-4 मुकाबलों में खेलना मुश्किल

स्पोर्ट्स डेस्क, 20 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंकाई ऑलराउंडर दुनिथ विल्लालागे के पिता सुरंगा विल्लालागे का निधन हो गया। उसी दिन दुनिथ अबू धाबी में अफगानिस्तान के खिलाफ एशिया कप ग्रुप-बी का मैच भी खेले थे। 22 साल विल्लालागे को अपने पिता के निधन की खबर मैच के बाद ही पता चली। यह मैच श्रीलंका ने छह विकेट से जीतकर टूर्नामेंट के सुपर-4 राउंड के लिए क्वालिफाई किया। मैच खत्म होने के तुरंत बाद वे घर के लिए रवाना हो गए। ऐसे में उनके आगे के मुकाबलों में खेलने पर संदेह पैदा कर दिया है।

श्रीलंका को अभी तीन मैच खेलने हैं

श्रीलंका को इस टूर्नामेंट में अभी तीन और मैच खेलने हैं। 20 सितंबर को बांग्लादेश के खिलाफ, 23 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ और 26 सितंबर को भारत के खिलाफ खेलना है। गुरुवार को श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच एशिया कप मैच विल्लालागे के करियर का पांचवां टी-20 इंटरनेशनल मैच था। वहीं, इस टूर्नामेंट में उनका पहला मैच था। उन्होंने 31 वनडे मैच खेले हैं, जिनमें उनके करियर का बेस्ट प्रदर्शन 27 रन देकर 5 विकेट अगस्त 2024 में कोलंबो में भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में आया था। उन्होंने 2023 एशिया कप के एक मैच में भी भारत के खिलाफ 40 रन देकर 5 विकेट लिए थे। 2023 में टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में खेला गया था। उस टूर्नामेंट में वह 10 विकेट के साथ दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।

ध्रुव जुरेल के बाद देवदत्त पडिक्कल का शतक ऑस्ट्रेलिया ए के गेंदबाजों का बुरा हाल किया

लखनऊ, 20 सितंबर (एजेंसियां)। इकाना स्टेडियम पर इंडिया ए की टीम ऑस्ट्रेलिया ए का मुकाबला कर रही है। दोनों टीमों के बीच अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेला जा रहा है। मैच की पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने जोरदार प्रदर्शन किया। सैम कोंस्टास और जोश फिलिप के शतक की मदद से टीम ने 6 विकेट पर 532 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। भारतीय टीम ने भी जोरदार पलटवार किया।

मैच के तीसरे दिन ध्रुव जुरेल के बल्ले से शतक निकला था। ध्रुव जुरेल के बाद युवा बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने भी इंडिया ए के लिए शतक लगा दिया है। जहां जुरेल ने फटाफट रन बनाए थे तो पडिक्कल ने संभलकर बैटिंग की। 199 गेंदों में उन्होंने अपना शतक पूरा किया। इसमें 9 चौके शामिल थे। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पडिक्कल का यह 7वां शतक है। वह 150 रनों की पारी खेलने के बाद कोरी रोचिकियोली की गेंद पर आउट हुए। यह इस मैच की सबसे बड़ी पारी है। 281 गेंदों की अपनी पारी में पडिक्कल ने 14 चौकों के अलावा एक छक्का भी मारा।

उच्चतम न्यायालय ने एआईएफएफ के मसौदा संविधान को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के संविधान के मसौदे को कुछ संशोधनों के साथ शुक्रवार को मंजूरी दे दी और फुटबॉल संस्था को इसे चार सप्ताह के भीतर आम सभा में अपनाने का निर्देश दिया। यह मसौदा पूर्व न्यायाधीश एल नागेश्वर राव ने तैयार किया है।

न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अध्यक्ष कल्याण चौबे की अध्यक्षता वाली एआईएफएफ की वर्तमान कार्यकारी समिति के सदस्यों के चुनाव को मान्यता दी और कहा कि नए सिरे से चुनाव कराने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि वर्तमान पदाधिकारियों का केवल एक वर्ष का कार्यकाल बचा है। न्यायालय ने 30 अप्रैल को न्यायमूर्ति राव द्वारा तैयार एआईएफएफ के संविधान के मसौदे को अंतिम रूप देने के मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने फैसला सुरक्षित रखने से पहले रंजीत कुमार, राहुल मेहरा और न्यायमित्र गोपाल शंकरनारायणन सहित कई वरिष्ठ वकीलों की कुछ आपत्तियों और सुझावों को सुना। न्यायालय ने कई दिनों तक विभिन्न राज्य फुटबॉल संघों और पूर्व खिलाड़ियों द्वारा संविधान के प्रारूप पर उठाई गई आपत्तियों पर सुनवाई की। शीर्ष अदालत के निर्देश पर न्यायमूर्ति राव द्वारा तैयार संविधान के प्रारूप में कुछ आमूलचूल परिवर्तन का प्रस्ताव था। इनमें किसी व्यक्ति को अपने जीवनकाल में अधिकतम 12 वर्ष तक पद पर बने रहने का प्रावधान था, बशर्ते कि वह अधिकतम दो बार चार-चार वर्ष का कार्यकाल पूरा कर सके। हालांकि इसमें कहा गया है कि खेल संस्था के पदाधिकारी के रूप में आठ वर्ष तक रहने के बाद चार वर्ष तक कोई पद नहीं संभालने के 'कूलिंग ऑफ पीरियड' नियम का पालन करना होगा, लेकिन मसौदे में कहा गया है कि कोई व्यक्ति 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद खेल संस्था का सदस्य नहीं रह सकता। मसौदा संविधान के अनुसार एआईएफएफ की कार्यकारी समिति में 14 सदस्य होंगे, जिन पर आयु और कार्यकाल का नियम लागू होगा। इसमें एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष (एक पुरुष और एक महिला), एक कोषाध्यक्ष और 10 अन्य सदस्य होंगे। अन्य 10 सदस्यों में से पांच प्रतिष्ठित खिलाड़ी होंगे, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल होंगी। मसौदा संविधान में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए अध्यक्ष समेत पदाधिकारियों को हटाने का भी प्रावधान है, जो एआईएफएफ के मौजूदा संविधान में नहीं है।

सिंह राशि में शुक्र केतु की युति से इन 5 राशियों की हर दिन मनेगी दिवाली

9 अक्टूबर तक मिलेंगे फायदे ही फायदे

शुक्र ग्रह सिंह राशि में गोचर कर चुके हैं, जहां पहले से ही छाया ग्रह केतु विराजमान हैं। शुक्र ग्रहों के राजा सूर्य देव की राशि सिंह में 15 सितंबर को गोचर कर चुके थे और इस राशि में वह 9 अक्टूबर तक रहने वाले हैं। इसके बाद शुक्र ग्रह कन्या राशि में गोचर कर जाएंगे। ऐसे में सिंह राशि में शुक्र और केतु की बन रही खिचड़ी यानी युति द्विग्रही योग का निर्माण कर रही है। शुक्र-केतु युति और द्विग्रही योग राशियों के लिए लगभग 24 दिन तक बेहद फायदेमंद रहने वाली है। इन 5 राशियों को जीवन के हर क्षेत्र में फायदा मिलेगा और जिंदगी को एक नई दिशा की तरफ भी लेकर जाएगा। आइए जानते हैं सिंह राशि में शुक्र और केतु की युति से किन किन राशियों को लाभ मिलने वाला है...

सिंह राशि में शुक्र और केतु की युति

सिंह राशि में शुक्र और केतु की युति बेहद शुभ रहने वाली है क्योंकि दोनों ग्रहों के बीच संबंध बहुत अच्छे हैं। ज्योतिष के अनुसार, शुक्र ग्रह भौतिक सुख सुविधा, आनंद, धन, सुख, सौंदर्य, आकर्षण, प्रेम, दांपत्य जीवन और कला के कारक ग्रह हैं। वहीं केतु को आध्यात्मिकता और मोक्ष का कारक ग्रह माना गया है। दोनों की युति इन 5 राशि वालों को भौतिक सुख सुविधाओं के साथ आध्यात्म की ओर प्रेरित भी करेगी। आइए जानते हैं सिंह राशि में सूर्य और केतु की युति से क्या क्या लाभ होने वाले हैं...

शुक्र-केतु की युति का मिथुन राशि पर प्रभाव

शुक्र ग्रह आपकी राशि से तीसरे भाव में गोचर कर चुके हैं और आपकी राशि पांचवें और 12वें भाव का स्वामी भी है। शुक्र-केतु की युति से मिथुन राशि वालों को हर टेंशन से मुक्ति मिलेगी और परिवार के सदस्य भी काफी आनंद में दिखाई देंगे, जिससे आपका मन भी काफी प्रसन्न होगा। पैसे के मामले में, आप देख सकते हैं कि आपके लाभ बढ़ते जाएंगे। आपके संबंधों के मामले में, आप और आपके जीवनसाथी एक साथ खुशहाल समय बिता सकते हैं और यादगार पल बना सकते हैं। इस समय आप अपने रिश्ते को सुधार सकते हैं और उनका विश्वास जीत सकते हैं। जहां तक आपके करियर की बात है, आपको ऑन-साइट प्लेसमेंट और नई नौकरी के अवसर या असाइनमेंट मिल सकते हैं। आर्थिक रूप से, आप अधिक पैसा बनाने और बचाने की अच्छी स्थिति में हो सकते हैं, साथ ही संपत्ति बनाने की संभावना भी है।

शुक्र-केतु की युति का सिंह राशि पर प्रभाव

शुक्र ग्रह आपकी राशि के लग्न भाव अर्थात पहले स्थान पर गोचर कर चुके हैं। इस दौरान सिंह राशि वालों के बिजनेस में अच्छी तरक्की होगी और आर्थिक लाभ भी बढ़ता जाएगा। केतु के प्रभाव की वजह से धर्म कर्म के कार्यों में आपका मन लगेगा और दान पुण्य के मामलों में धन खर्च भी हो सकता है। धन वृद्धि को लेकर बनाई गईं योजनाएं पूरी तरह कामयाब साबित होंगी और आपका बैंक बैलेंस भी बढ़ता जाएगा। घर के रिनोवेशन करवा सकते हैं और माता पिता के आशीर्वाद से संपत्ति में निवेश भी कर सकते हैं। शुक्र-केतु की युति से सिंह राशि वालों को टेंशन से मुक्ति मिलेगी और बुद्धि व समझदारी भी बढ़ती जाएगी।

शुक्र-केतु की युति का तुला राशि पर प्रभाव

शुक्र ग्रह आपकी राशि से 11वें भाव में गोचर कर चुके हैं और पहले व आठवें भाव का स्वामी भी हैं। इस दौरान तुला राशि वालों को आरोग्य की प्राप्ति होगी और संपत्ति में इजाफा भी देखने को मिलेगा। आपकी खुशियों में वृद्धि होगी और संतान का पूरा पूरा साथ मिलेगा, जिससे आप राहत की सांस ले पाएंगे। खुद का बिजनेस करने वालों को शुक्र ग्रह के प्रभाव से अच्छा फायदा होगा और बाजार में आपका सम्मान भी बढ़ेगा। कई अधिकारियों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे, जिससे आपके कई सरकारी कार्य पूरे होंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और घर के छोटे बच्चों को खेलता-कूदता देख मन भी प्रसन्न होगा। केतु के प्रभाव से तुला राशि वाले जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर भी जा सकते हैं।

शुक्र-केतु की युति का धनु राशि पर प्रभाव

शुक्र ग्रह आपकी राशि से नौवें भाव में गोचर कर चुके हैं। शुक्र और केतु की युति से धनु राशि वालों को बड़ी खुशी और बार-बार यात्रा करने का अवसर मिल सकता है। लव लाइफ की बात करें तो लव पार्टनर को पूरी तरह से समझने की क्षमता से आपके रिश्ते में अधिक सामंजस्य और संतुष्टि आ सकती है। कार्यस्थल पर आपके प्रयासों की सराहना की जाएगी, और आप पेशेवर करियर में बड़ा सम्मान प्राप्त कर सकते हैं। धनु राशि वालों की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी और आप नए योजनाओं पर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकेंगे। विवाहित लोगों के लिए यह समय अपने जीवनसाथी के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के लिए आदर्श होगा। यह अवधि न केवल धन और सफलता लाएगी, बल्कि जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास भी भर देगी।

शुक्र-केतु की युति का कुंभ राशि पर प्रभाव

शुक्र ग्रह आपकी राशि से सातवें भाव में गोचर कर चुके हैं और चौथे व नौवें भाव के स्वामी भी हैं। शुक्र-केतु की युति से कुंभ राशि वालों की लव लाइफ में सुधार देखने को मिलेगा और अपने रिलेशनशिप को लेकर काफी सीरियस भी नजर आएंगे। व्यक्तिगत स्तर पर आप जीवनसाथी के साथ एक सौहार्दपूर्ण और सहायक संबंध बना सकते हैं, जिससे उनका विश्वास प्राप्त होगा। करियर के मामले में, आप काम के लिए यात्रा कर सकते हैं, जो संतोषजनक हो सकती है और प्रमुख उन्नति का कारण बन सकती है। इस अवधि के दौरान, आप नए व्यापारिक लेन-देन सुरक्षित कर सकते हैं और महत्वपूर्ण आय अर्जित कर सकते हैं।

सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या कल

श्राद्ध-तर्पण करने के लिए जरूरी चीजें

तांबे का चौड़ा बर्तन, जौ, तिल, चावल, गाय का कच्चा दूध, गंगाजल, सफेद फूल, पानी, कुशा घास, गाय के गोबर से बना कंडा, घी, खीर-पुड़ी, गुड़, तांबे का लोटा

घर पर ही श्राद्ध और तर्पण करने की विधि

- श्राद्ध करने की तिथि पर सुबह जल्दी उठें और नहाने के बाद पितरों की तृप्ति के लिए श्राद्ध और दान करने का संकल्प लें।
- दोपहर में करीब 12 बजे दक्षिण दिशा में मुंह करके बाएं पैर को मोड़कर, घुटने को जमीन पर टिका कर बैठें।
- तांबे के चौड़े बर्तन में जौ, तिल, चावल गाय का कच्चा दूध, गंगाजल, सफेद फूल और पानी डालें।
- हाथ में कुशा घास रखें और उस जल को हाथों में भरकर सीधे हाथ के अंगूठे से उसी बर्तन में गिराएं। इस तरह 11 बार पितरों का ध्यान करते हुए तर्पण करें।
- गाय के गोबर से बना कंडा जलाएं। कंडों से जब धुआं निकलना बंद हो जाए, तब अंगारों पर गुड़, घी और थोड़ी-थोड़ी खीर-पूरी अर्पित करें।
- हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से पितरों का ध्यान करते हुए जमीन पर अर्पित करें।
- इसके बाद देवता, गाय, कुत्ते, कौए और चींटी के लिए अलग से भोजन निकाल लें।
- जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं। दान-दक्षिणा दें।

21 सितंबर को पितृ पक्ष की अंतिम तिथि है, इसे सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या कहते हैं। इसके बाद 22 तारीख से नवरात्रि शुरू हो जाएगी। पितृ पक्ष की अमावस्या पितरों के लिए धूप-ध्यान, पिंडदान, तर्पण आदि कर्म जरूर करना चाहिए। श्राद्ध के समय पितरों को जल और तिल आदि अर्पित करना चाहिए। पितृ पक्ष में और अमावस्या तिथि पर जरूरतमंद लोगों को भोजन कराना चाहिए। गरुड़ पुराण, विष्णु पुराण आदि में श्राद्ध, पिंडदान, दान आदि के नियम और उनके महत्व के बारे में बताया गया है।

सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या से जुड़ी मान्यताएं

इस दिन किए गए श्राद्ध से सभी ज्ञात और अज्ञात पूर्वजों को तृप्ति मिलती है। यदि किसी पूर्वज की मृत्यु तिथि ज्ञात न हो, तो इस दिन श्राद्ध करने से उनकी आत्मा भी तृप्त हो जाती है।

माना जाता है कि पितृ पक्ष में पितर देवता अपने-अपने वंशजों के घर पहुंचते हैं और सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर अपने धाम पितृ लोक लौट जाते हैं।

पितृ पक्ष में किए गए धूप-ध्यान से पितर देवता तृप्त होते हैं और अपने वंशजों को आशीर्वाद देते हैं। इनके आशीर्वाद से घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है, ऐसी मान्यता है।

अमावस्या पर नदी स्नान करने की भी परंपरा है। अगर नदी स्नान नहीं कर पा रहे हैं तो घर पर पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं।

इस तिथि पर सुबह जल्दी उठना चाहिए। घर की सफाई करें, घर में गौमूत्र का छिड़काव करें। घर के बाहर रंगोली बनाएं। सुबह घर के मंदिर में देवी-देवताओं की पूजा करें। दोपहर में करीब 12 बजे पितरों के लिए धूप-ध्यान करें। इस समय को कुतुप काल कहते हैं और पितरों के लिए धर्म-कर्म करने के लिए ये सबसे अच्छा समय माना जाता है।

तर्पण करने के लिए जल में तिल, जौ, कुश डालना चाहिए। इसके बाद हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से पूर्वजों को जल अर्पित करना चाहिए।

चावल, तिल और अन्य चीजों से पिंड तैयार करके पितरों को अर्पित किए जाते हैं, इसे पिंडदान करना कहते हैं।

अधूरे ज्ञान की वजह से अश्वत्थामा को मिला शाप

जिस विद्या का संपूर्ण ज्ञान तुम्हें नहीं है, उसका प्रयोग करना मूर्खता है। ये पूरे जगत के लिए विनाशकारी हो सकता है।

अश्वत्थामा ने ब्रह्मास्त्र का संधान कर लिया था और वह इसे वापस भी नहीं ले सकता था, तो उसने ब्रह्मास्त्र को उत्तरा के गर्भ पर छोड़ दिया था। अश्वत्थामा चाहता था कि उत्तरा के गर्भ में पल रहे शिशु के अंत के साथ पांडवों का वंश ही खत्म हो जाए। उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी माया से ब्रह्मास्त्र से उत्तरा और उसके गर्भ में पल रहे शिशु की रक्षा की। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने अश्वत्थामा को दंड देने के लिए उसके माथे पर लगी मणि निकाल ली और उसे कलियुग के अंत तक भटकते रहने का शाप दे दिया।

प्रसंग की सीख

अधूरे ज्ञान घातक होता है

अधूरा ज्ञान व्यक्ति को अहंकार देता है और अहंकार विनाश की ओर ले जाता है। अश्वत्थामा का प्रसंग यही बताता है कि किसी विषय की आधी-अधूरी जानकारी होना घातक होता है।

काम शुरू करने से पहले तैयारी आवश्यक है किसी भी काम में उतरने से पहले उसके हर पहलू को समझना जरूरी होता है। बिना तैयारी और गहराई से समझे बिना किया गया काम विफलता ही लाता है। काम शुरू करने से पहले पूरी तैयारी करनी चाहिए।

ज्ञान के साथ जिम्मेदारी भी जरूरी है

ब्रह्मास्त्र चलाना एक शक्ति है, लेकिन उसे नियंत्रित करना एक जिम्मेदारी। ज्ञान का उपयोग कब, कैसे और कितनी समझदारी से करना है, ये जानना भी जरूरी है। ज्ञान हासिल करने के साथ ही अपनी जिम्मेदारी को भी समझना चाहिए। कोई भी प्रोजेक्ट, नौकरी, या निर्णय लेने से पहले उसकी पूरी जानकारी हासिल करें। रिसर्च करें, अनुभवी लोगों से बात करें और फिर कार्य शुरू करें, तभी सफलता मिल सकती है।

सही मार्गदर्शक की तलाश करें

अर्जुन को वेदव्यास और श्रीकृष्ण जैसे मार्गदर्शक मिले, वैसे ही हमें भी जीवन में ऐसे लोगों की जरूरत होती है जो सही समय पर हमें दिशा दिखा सकें। सही मार्गदर्शन मिलेगा और उसे हम अपनाएंगे तो सफलता जरूर मिलेगी।

जो काम नहीं आता है, उसे सीखें, टालें नहीं

अगर किसी काम का कोई पक्ष समझ में नहीं आ रहा है, तो उसे नजरअंदाज न करें। सीखने की कोशिश करें। अधूरे ज्ञान के साथ आगे बढ़ना ठीक नहीं है। अधूरा ज्ञान जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही खतरनाक भी होता है। इसलिए जो भी काम करें, उसके हर पहलू को समझें, सीखें और फिर आगे बढ़ें। तभी आप जीवन में सफल बन पाएंगे।

किसी भी कार्य को अधूरे ज्ञान के साथ करना ठीक वैसा ही है जैसे अंधेरे में रास्ता तय करना, जहां हर कदम पर गिरने का खतरा बना रहता है। अधूरा ज्ञान न केवल असफलता की ओर ले जाता है, बल्कि ये अपने साथ ही दूसरों के लिए भी संकट खड़ा कर देता है। ये बात हम महाभारत के एक प्रसंग से समझ सकते हैं...

अधूरे ज्ञान की वजह से अश्वत्थामा को मिला शाप

महाभारत युद्ध के अंत में दुर्योधन ने मृत्यु से पहले अश्वत्थामा को कौरव पक्ष का सेनापति नियुक्त किया था। इसके बाद अश्वत्थामा ने पांडवों के पांच पुत्रों और कई अन्य योद्धाओं की हत्या कर दी। जब अर्जुन ने उसका पीछा किया, तो दोनों के बीच युद्ध शुरू हो गया। दोनों ही महान योद्धा और द्रोणाचार्य के शिष्य थे। इस युद्ध में अश्वत्थामा ने अर्जुन को मारने के लिए ब्रह्मास्त्र का संधान कर लिया। जवाब में अर्जुन ने भी ब्रह्मास्त्र का संधान किया। अगर ये दोनों ब्रह्मास्त्र आपस में टकरा जाते तो पूरी सृष्टि का विनाश हो सकता था। इसलिए वेदव्यास ने दोनों योद्धाओं को अपने-अपने ब्रह्मास्त्र वापस लेने का आदेश दिया।

अर्जुन ने तो तुरंत ब्रह्मास्त्र को वापस ले लिया, लेकिन अश्वत्थामा नहीं कर पाया, क्योंकि उसे ब्रह्मास्त्र को वापस लेने की विद्या का ज्ञान ही नहीं था। ये सुनकर वेदव्यास क्रोधित हो गए और कहा कि

माता सीता से संदर्भित पवित्र श्राद्ध कथाएं

भावना संजीव ठाकुर

श्राद्ध कर्म के द्वारा पित्रश्रृण से मुक्त हुआ जा सकता है इससे पितृ-गण वर्ष भर प्रसन्न रहते हैं। जानकी माता सीता द्वारा श्राद्ध की भावपूर्ण कथा प्रचलित हैं- श्री राम जी द्वारा गया जी के रूद्रपद पर पिंडदान किया गया तब दशरथ जी कृतार्थ हुए और उन्हें रुद्रलोक की प्राप्ति हुई थी उन्होंने श्री राम जी को समस्त अयोध्या वासियों सहित बैकुंठ धाम जाने का वर दिया था ।

माता सीता द्वारा दिया गया श्राद्ध भोज-

एक बार अयोध्या में श्री राम सीता द्वारा श्राद्ध के लिए ब्राह्मण भोज दिया गया , फलस्वरूप दूर दूर से ब्रम्णणों की टोलियां पधारने लगीं। शिव जी को जब श्राद्ध भोजन के संदर्भ में मालुम हुआ तो वे एक वृद्ध ब्राह्मण का रुप रख कर टोली में शामिल होकर अयोध्या पहुंच गए।

श्री राम जी उन विशिष्ट अतिथि को पहचान गए कि स्वयं शिव शंकर आए हैंलेकिनवहइसदौरान हमारी परीक्षा लेने ।श्री राम जी ने बड़े सम्मान पूर्वक वृद्ध ब्राह्मण के चरण धुलाकर आसन पर बैठाया ।उनको भोजन परोसा गया ,छोटे भाई लक्ष्मण जो भी परोसते वृद्ध ब्राह्मण एक ही ग्रास में ग्रहण कर लेते पत्तल में कुछ दिखता ही नहीं ,रुकता ही नहीं ,और भी सभासद आ गये जो पत्तल को भरने लग गए पर पत्तल खाली की खाली ही रहती गई। दूर खड़े श्री राम जी शिव जी की लीला देख मन ही मन रोमांचित हो रहे थे । बात फैलते फैलतै राज महल और माता सीता तक पहुंच गई,रसोई का संपूर्ण संचालन एवं नियंत्रण वे ही देख रही थीं। एक बूढा ब्राह्मण आया है ,जिसकी पत्तल मे खाना रुकता ही नहीं ,भोजन सामग्री क्षण भर में साफ हो जाती है । अब यह भोज प्रतिष्ठा का विषय बन गया ,लिए महल का पूरा भोजन और सामग्री समाप्त होने लगी,पर भगवान शिव शंकर तृप्त नहीं हुए। सीता माता चिंतित हो गईं तब श्रीराम जी ने माता अन्नपूर्णा पार्वती जी का आवाहन किया कि आप ही भगवान शंकर जी की क्षुधा शांत कर सकती हैं।

सभी परोसने वाले वहां से हटा दिये गए,माता अन्नपूर्णा वहां प्रगट हो गईं।श्रीराम जी ने माता अन्नपूर्णा से निवेदन किया कि इन्हें आपके अतिरिक्त और कोई तृप्त नहीं कर सकता है आप ही अपने स्वामी को भोजन कराइये।

अन्नपूर्णा माता ने भोजन पात्र अपने हाथ में लिया वैसे ही वह अक्षय पात्र बन गया अन्नपूर्णा माता विश्वनाथ को भोजन कराने लगीं,पत्तल में एक लड्डू परोसा ,शंकर जी खाते खाते तक गये, लड्डू समाप्त नहीं हुआ,माता ने दोबारा परोसना चाहा तो शंकर जी ने मना कर दिया।

शंकर जी ने डकार ली और हंसकर कहा -अन्नपूर्णा तुम्हें आना पड़ा,अब मैं तृप्त हो गया।

भगवान श्री कृष्ण से पक्षीराज गरूड़ ने पूछा लोग अपने पितर को मिल कर तरह तरह का भोजन कराते हैं, तो क्या उनके पित्र ,देवलोक से मृत्यु लोक में वह भोजन गृहण करने आते हैं?क्या उन्हें कोई देख सकता है।इसका क्या प्रमाण है । तब श्री कृष्ण जी ने देवी सीता का प्रसंग सुनाया था। माता सीता ने पुष्कर तीर्थ में श्राद्ध किया था तब उन्होंने अपने ससुर सहित तीन पितरों को आमंत्रित ब्राह्मणों के शरीर में देखा था। पिता की आज्ञा से श्रीराम लक्ष्मण सीता जी वनवास चले गए उन्हें ज्ञात हो गया था कि दुख में उनके पिता की मृत्यु भी हो गई है। जब श्री राम जी पुष्कर पहुंचे तो उन्होंने अपने पिता के निमित्त श्राद्ध किया इससे श्रेष्ठ अवसर हो ही नहीं सकता कि पिता का श्राद्ध पुष्कर में हो ।

श्री राम जी ने सभी शाक फल भोजन सामग्री की व्यवस्था की और माता सीता ने रसोई बनाई।

सम्पूर्ण विधी विधान के साथ वहां श्राद्ध हेतु ब्राह्मणों का आवाहन किया गया। सभी नेआसन गृहण कर लिया ,जो भोजन उपलब्ध था,वह पत्तल में परोसा गया,माता जानकी स्वयं व्यवस्था कर रही थीं ।

अचानक जानकी भोजन करते ब्राह्मण और श्रृषियों के बीच से निकलीं और तुरंत ही दूर चली गईं ,

जाकर वे घनी झाड़ियों लताओं के पीछे छिपकर बैठ गईं,यह सभी कृत्य श्री राम जी देख रहे थे ,उन्हें आश्चर्य भी हुआ ,वे ब्राह्मण, ऋषियों के भोजन सम्पन्न होने की प्रतीक्षा कर रहे थे।

शारदीय नवरात्रि के लिए पूजा घर में लाना है नया मंदिर?

सर्व पितृ अमावस्या पर लाना शुभ या अशुभ

शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ 22 सितंबर सोमवार से हो रहा है। इस बार मां दुर्गा गज यानि हाथी पर सवार होकर धरती पर आ रही हैं। मां दुर्गा के स्वागत के लिए लोग अभी से तैयारी में लग गए हैं। शारदीय नवरात्रि की पूजा सामग्री और कलश सामग्री की लिस्ट बना रहे हैं तो कुछ लोग अपने घर नया मंदिर लाने की सोच रहे हैं, ताकि उसमें मां भगवती के साथ अन्य देवी और देवताओं की स्थापना कर सकें। लेकिन समस्या यह है कि पूजा घर के लिए नया मंदिर कब लाएं? 22 सितंबर को शारदीय नवरात्रि शुरू हो रही है तो लोग एक दिन पहले मंदिर लाने की सोच रहे हैं, लेकिन उस दिन सर्व पितृ अमावस्या है। ऐसे में सवाल यह है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन मंदिर घर ला सकते हैं या नहीं?

सर्व पितृ अमावस्या की तिथि

दृक पंचांग के अनुसार, सर्व पितृ अमावस्या की आश्विन अमावस्या तिथि 21 सितंबर को 12:16 ए एम से लेकर 22 सितंबर को 01:23 ए एम तक है। इस आधार पर देखा जाए तो सर्व पितृ अमावस्या 21 सितंबर को पूरे दिन है।

शारदीय नवरात्रि की पहली तिथि दृक पंचांग के अनुसार, शारदीय नवरात्रि की पहली तिथि यानि आश्विन शुक्ल प्रतिपदा तिथि 22 सितंबर को 01:23 ए एम से लेकर 23 सितंबर 02:55 ए एम तक है। ऐसे में शारदीय नवरात्रि की पहली तिथि 22 सितंबर को पूरे दिन है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों का विसर्जन होता है। इस दिन पितर पृथ्वी लोक से विदा होते हैं और अपने लोक यानि पितृ लोक वापस जाते हैं। ऐसे में सर्व पितृ अमावस्या के दिन शारदीय नवरात्रि के लिए अपने घर मंदिर लाना अशुभ होता है। अमावस्या के अवसर पर मंदिर लाना वर्जित है। ऐसा नहीं करना चाहिए।

पूजा घर के लिए नया मंदिर कब लाएं?

इस सवाल पर ज्योतिषाचार्य पाण्डेय कहते हैं कि पूजा घर के लिए मंदिर नवरात्रि के पहले दिन यानि 22 सितंबर सोमवार को लाएं। उस दिन मां दुर्गा का आगमन हो रहा है और ऐसे अवसर पर मंदिर लाना आपके घर के लिए शुभ फलदायी और मंगलकारी होगा।

उस मंदिर में आसन लगाकर अपने इष्ट देवी और देवता को स्थापित करें। कलश स्थापना करके शारदीय नवरात्रि की पूजा करें। मां शैलपुत्री की कृपा से आपके जीवन में सुख और समृद्धि आएगी।

50 साल की अमीषा पटेल ने बच्चों को लिया है गोद

कहा- पूरी क्रिकेट टीम पैदा करना चाहती थी, पर जिंदगी ने मर्दाना बना दिया

अमीषा पटेल ने खुलासा किया है कि उन्होंने कुछ बच्चों को चुपचाप गोद लिया है और उनकी पढ़ाई का खर्च उठा रही हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो पहले सोचती थीं कि इतने बच्चों को जन्म देंगी कि क्रिकेट टीम बन जाए। उन्होंने ये भी कहा कि जिंदगी ने उन्हें मर्दाना बना दिया।

अमीषा पटेल ने गोद लिए हैं बच्चे

'गदर' की सकीना यानी बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस अमीषा पटेल। वो 50 साल की हो गई हैं। पर उन्होंने अभी तक शादी नहीं की है। पर उन्होंने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्होंने कुछ बच्चों को चुपचाप गोद लिया है और वो उनकी पढ़ाई का खर्च उठा रही हैं।

अमीषा पटेल एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें बच्चे बहुत पसंद हैं। वो कहती हैं, 'मैं अपने भतीजों, भांजों, चचेरे भाई-बहनों के डायपर बदलती थी। उन्हें खाना खिलाती थी। सुलाती थी। और कहती थी कि मैं पूरी क्रिकेट टीम को जन्म दूंगी।

उस समय मेरी मां कहती थीं कि एक बच्चा पैदा करो, फिर देखेंगे, क्योंकि बच्चे पैदा करना और मां बनना बहुत मुश्किल होता है। मुझे बच्चों से बहुत लगाव है और मैं बच्चों से बहुत प्यार करती हूं।'

'कुछ बच्चों को चुपचाप लिया है गोद'

'कहो ना प्यार है' एक्ट्रेस ने आगे खुलासा किया, 'लेकिन मैंने हमेशा अनाथ बच्चों के बारे में सोचा है। सोचा है कि उन्हें घर देना कितना खूबसूरत होगा। इसलिए मैंने चुपचाप कुछ बच्चों को गोद लिया और उन्हें पता भी नहीं चलता कि मैंने उन्हें गोद लिया है। मैं साइलेंटली उनकी एजुकेशन का खर्च उठाती हूं। मैं उन्हें बेहतर लाइफ देने के लिए चाहे वो मेडिकल हो या फिर एजुकेशन, हर संभव तरीके से पाल रही हूं। एक बच्चे का आपके साथ बड़ा होना एक बड़ी जिम्मेदारी है। यही वजह है कि मेरे पास कोई पालतू जानवर भी नहीं है।'

'बच्चे नहीं हैं, इसलिए बैग्स है'

अमीषा ने आखिरी में कहा, 'मेरे बच्चे नहीं हैं, इसलिए मेरे पास बैग्स हैं। मैं 16 साल की उम्र से बैग इकट्ठा कर रही हूं। मैं अपनी मां और आंटियों को बैग कलेक्ट करते हुए देखा है। हमारा परिवार बहुत अच्छे कपड़े पहनने वाला है। उन्हें एक्सेसजरी बहुत पसंद है। मैं ये बचपन में देखा है और इसलिए मुझे बैग्स से ये लगाव हो गया।' मालूम हो कि अमीषा ने फराह खान के व्लॉग में अपने सारे बैग का कलेक्शन दिखाया था और बताया था कि उनके पास 300-400 ब्रांडेड बैग हैं।

'जिंदगी ने मुझे मर्दाना बना दिया'

उन्होंने आगे कहा, 'जब मैं 5-6 साल की थी, तब भी मेरे जूते और बैग हमेशा मैचिंग होते थे। मेरे पास परफ्यूम की शीशी और कंघी होती थी। मैं हमेशा फैमिनिन थी, लड़कियों वाली थी, लेकिन जिंदगी ने मुझे मर्दाना बना दिया।'

थलापति विजय की सुरक्षा में चूक, पेड़ से चढ़कर छत पर उतरा शख्स, एक्टर ने देखा तो बुलाई पुलिस

तमिल सुपरस्टार और राजनेता थलापति विजय के चेन्नई स्थित आवास पर शुक्रवार को एक बड़ी सुरक्षा चूक हुई। नीलांकरै पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 24 वर्षीय अरुण नामक एक व्यक्ति कथित तौर पर तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) पार्टी के नेता और अभिनेता थलापति विजय के चेन्नई के बाहरी इलाके स्थित आवास में घुस गया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने अभिनेता के आवास की गहन जांच की। हैरानी की बात ये है कि व्यक्ति दो दिन पहले पेड़ पर चढ़कर अभिनेता की छत पर पहुंचा था। दो दिन से अनजान व्यक्ति वहां पर ही था।

दो रात पहले छत पर पहुंचा था व्यक्ति

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, ये व्यक्ति दो रात पहले एक पेड़ पर चढ़कर विजय की छत पर घुस आया था। जब विजय अपनी छत पर पहुंचे, तब उन्होंने वहां उस युवक को देखा। विजय ने तुरंत कथित घुसपैठिए को नीचे उतारा और नीलांकरै पुलिस को सूचित किया। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को गिरफ्तार कर थाने ले गई। पूछताछ करने पर पता चला कि मदुरंतकम निवासी राजा का बेटा अरुण मानसिक रूप से विक्षिप्त लग रहा था। इसके बाद कथित घुसपैठिए को इलाज के लिए किलपौक के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

'कलियों का चमन' से चमकीं मेघना नायडू बी ग्रेड फिल्मों में करना पड़ा काम

मनोरंजन जगत में कई ऐसी अभिनेत्रियां रही हैं जिन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई, जैसे 'कांटा लगा' गर्ल शेफाली जरीवाला। इसी कड़ी में एक और नाम शामिल है मेघना नायडू का। 2000 के दशक की शुरुआत में उनकी ग्लैमरस छवि और डांसिंग टैलेंट ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया। 'कलियों का चमन' रीमिक्स म्यूजिक वीडियो ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया। इसके बाद उन्होंने कई बी ग्रेड फिल्मों में काम किया। हालांकि, कुछ साल बाद वह अचानक गायब हो गईं और आजकल सिनेमाई दुनिया में बहुत कम नजर आती हैं। आज 19 सितंबर को मेघना नायडू अपना 45वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास दिन पर चलिए हम जानते हैं अभिनेत्री के सफर के बारे में।

मां शिक्षिका, तो पिता टेनिस कोच थे

मेघना नायडू का जन्म 19 सितंबर 1980 को विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में हुआ था। उनके पिता एथिराज एक टेनिस कोच थे और मां पूर्णिमा स्कूल में शिक्षिका थीं। हालांकि मेघना ने बीकॉम की पढ़ाई के बाद भारतनाट्यम डांस सीखा, जिसने उनके डांसिंग कला को निखारने का काम किया। साथ ही एक्ट्रेस ने चार साल तक अमेरिका में टेनिस भी सीखा था।

'कलियों का चमन' ने रातों-रात बनाया स्टार

मेघना नायडू ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और विज्ञापनों से शुरू किया। हालांकि उन्हें असली पहचान लता मंगेशकर के सुपरहिट सॉन्ग 'थोड़ा रेशम लगता है' के रीमिक्स वर्जन 'कलियों का चमन तब खिलता है...' से मिली, जो साल 2002 में रिलीज हुआ था। इस गाने में अभिनेत्री की बोल्डनेस अदाओं और ठुमकों ने दर्शकों को दीवाना बना दिया था। इतना ही नहीं इसने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया था। फिर क्या एक्ट्रेस को कई फिल्मों के ऑफर मिलने लगे।

बी ग्रेड फिल्मों में रखा कदम

'कलियों का चमन' से सुर्खियां बटोरने के बाद मेघना नायडू ने साल 2003 में बॉलीवुड में डेब्यू किया। उन्होंने अपने करियर की पहली फिल्म 'हवस' की, जो बी ग्रेड की फिल्म थी। हालांकि, ये फिल्म ज्यादा चल नहीं पाई, लेकिन इसने अभिनेत्री को बोल्ड और हॉट एक्ट्रेस के रूप में स्थापित करने का काम किया। इसके बाद उन्होंने 2005 में 'क्लासिक डांस ऑफ लव' फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई।

इन बॉलीवुड फिल्मों में नजर आईं मेघना ,

अभिनेत्री ने अपने हिंदी सिनेमा करियर में कई फिल्मों में काम किया है। इन फिल्मों के नाम हैं 'इश्क दीवाना', 'लव एट फर्स्ट साइट', 'रिवाज', 'बैड फ्रेंड' और 'जैकपॉट- द मनी गेम', 'पहली नजर में प्यार' और 'रिवाज' आदि। आपको बताते चलें कि मेघना नायडू को आखिरी बार साल 2016 में रिलीज हुई 'क्या कूल हैं हम 3' में देखा गया था, जिसमें उन्होंने मासी का किरदार निभाया था।

साउथ फिल्मों में भी कमाया नाम

हिंदी फिल्मों के अलावा मेघना नायडू ने साउथ फिल्मों में भी काम किया है। एक्ट्रेस ने साल 2002 में तमिल फिल्म 'पृथ्वी नारायण' से साउथ में डेब्यू किया था। अभिनेत्री ने सिर्फ तमिल ही नहीं तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और बंगाली फिल्मों में भी एक्टिंग की है। एक्ट्रेस को आखिरी बार साल 2024 में मराठी भाषा की ड्रामा फिल्म 'सुर लागू दे' में देखा गया था।

टीवी की दुनिया में किया कमाल

फिल्मों के अलावा मेघना नायडू टीवी सीरियल्स और रियलिटी शोज में भी नजर आ चुकी हैं। अभिनेत्री 'खतरों के खिलाड़ी सीजन-1' की कंटेस्टेंट रह चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने डांस रियलिटी शो 'डांसिंग क्वीन' में भी हिस्सा लिया था। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस टीवी सीरियल 'जोधा अकबर', 'अदालत', 'ससुराल सिमर का' और 'महारक्षक आर्यन' में भी नजर आ चुकी हैं।

मेघना नायडू का व्यक्तिगत जीवन

मेघना नायडू ने 2011 में टेनिस खिलाड़ी लुइस मिगुएल रीस को डेटिंग करना शुरू किया था। इसके बाद उन्होंने 12 दिसंबर 2016 को उनसे शादी कर ली थी। अब वे दुबई में रहती हैं और काम के लिए भारत आती रहती हैं।

'या अली' फेम सिंगर जुबिन गर्ग की दुर्घटना में मौत

बॉलीवुड के फेमस सिंगर जुबिन गर्ग के मौत की खबर से इस वक्त पूरी इंडस्ट्री में शोक की लहर है। उनकी मौत सिंगापुर में एक एक्सिडेंट की वजह से उस घटना के बाद हो गई जब वो स्कूबा डाइविंग के लिए पानी में उतरे थे। इंजॉय और एडवेंचर के लिए समंदर में उतरे सिंगर के लिए ये उनका एक बुरा सपना बनकर रह गया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिंगापुर पुलिस ने सिंगर को समुद्र से निकाला और पास के एक अस्पताल में उन्हें भर्ती किया गया। काफी ट्रीटमेंट और डॉक्टरों की देखभाल के बावजूद, वो उन्हें बचा नहीं पाए। जुबिन 52 साल के थे।

'स्कूबा डाइविंग' के दौरान लगी चोटों की वजह से मौत

बताया जा रहा है कि 'स्कूबा डाइविंग' के दौरान लगी चोटों की वजह से उनकी डेथ हो गई। खबर है कि जुबिन नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल में भाग लेने के लिए सिंगापुर पहुंते थे, जहां उन्हें 20 सितंबर को परफॉर्म भी करना था। उनके मौत की खबर ने उनके परिवार, अपनों के साथ-साथ असम के लोगों और दुनिया भर में मौजूद उनके फैन्स को एक बड़ा सदमा पहुंचाया है।

बॉलीवुड में काम करने के लिए 1995 में मुंबई पहुंचे

असम के इस कलाकार की दुखद खबर सुनकर दुनिया भर से फैन्स शोक जता रहे हैं। साल 1995 के दौरान गर्ग बॉलीवुड में काम करने के लिए मुंबई चले गए जहां उन्होंने अपना पहला इंडीपॉप सिंगल एल्बम 'चांदनी रात' शुरू किया था। बाद में, उन्होंने कुछ हिंदी एल्बम और रीमिक्स गाने रिकॉर्ड किए जिसमें 'चंदा' (1996), 'जलवा' (1998), 'यही कभी' (1998), 'जादू' (1999), 'स्पर्श' (2000), आदि शामिल थे। उन्होंने 'गद्दार' (1995), 'दिल से' (1998), 'डोली सजा के रखना' (1998), 'फिजा' (2000), 'कांटे' (2002) जैसी फिल्मों के लिए भी गाने गाए।

सबसे बड़ा ब्रेक फिल्म 'गैंगस्टर' से मिला था

बताते चलें कि उन्हें बॉलीवुड में सबसे बड़ा ब्रेक फिल्म 'गैंगस्टर' से मिला, जहां उन्होंने 'या अली' गाना गाया था। जुबिन असमिया, हिन्दी, बंगाली, कन्नड़, उड़िया, तमिल, तेलेगु, पंजाबी, नेपाली, मराठी और मलयालम फिल्मों में भी गा चुके हैं। वे असम के जोरहाट से थे। जुबिन गर्ग को असम और पश्चिम बंगाल में एक रॉकस्टार माना जाता रहा है।

तीन साल पहले भी बाथरूम में गिर गए थे, मिर्गी का दौड़ा पड़ा था

इससे पहले साल 2022 में भी जुबिन अपने होटल रूम के बाथरूम में गिर गए थे जिस वजह से उनके सिर में चोटें आई थीं। तब जुबिन गर्ग असम में थे और उन्हें तुरंत ही वहां के डिब्रूगढ़ स्थित संजीवनी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था जिसके बाद उन्हें एयरलिफ्ट कराया गया था।

उनका सीटी स्कैन किया गया था और पता लगा कि उन्हें मिर्गी का दौड़ा पड़ा था, जिसके कारण वह बेहोश होकर गिर गए थे।

टीवी के सबसे अमीर पति-पत्नी की 125 करोड नेट वर्थ एक-दूसरे को गिफ्ट किया मालदीव में विला

हम जिस टीवी के फेमस कपल के बारे में आज बात कर रहे हैं वो वाकई बहुत रईस हैं। पति कोयले का व्यापार करते हैं और पत्नी टीवी के टॉप शो की हीरोइन रह चुकी हैं। दोनों की नेट वर्थ 125 करोड़ है। ये कपल 14 दिसंबर, 2021 को मुंबई में एक भव्य समारोह में शादी के बंधन में बंध गए। उनकी शादी का जश्न तीन दिनों तक चला और इसमें मेहंदी, सगाई, हल्दी, संगीत, रिसेप्शन और शादी समारोह सहित छह रस्में हुईं। इस कपल के बारे में जितना बताया जाए कम है। जानिए हम किसके बारे में बात कर रहे हैं।

अंकिता और विक्की की शादी भव्य

अंकिता लोखंडे और विक्की जैन की शादी न केवल भव्य समारोहों, बल्कि शानदार तोहफों से भी भरपूर रही। खबरों के अनुसार, विक्की ने अंकिता को मालदीव में 50 करोड़ रुपये की कीमत का एक आलीशान विला तोहफे में दिया।

अंकिता ने पति को गिफ्ट की यॉट

बदले में, अंकिता ने विक्की को 8 करोड़ रुपये की कीमत का एक यॉट तोहफे में दिया। ये शानदार गिफ्ट बहुराष्ट्रीय कंपनियों के कई बड़े अधिकारियों की वार्षिक आय से भी अधिक महंगे हैं।

विक्की को बिजनेस में सफलता हासिल

विक्की जैन एक बेहद सफल बिजनेसमैन हैं जिनके पास एमबीए की डिग्री और बिजनेस का अनुभव है। वे महावीर इंस्पायर ग्रुप के प्रबंध निदेशक हैं, जो एक विविध कंपनी है जो कोयला व्यापार, वाशरी संचालन, लॉजिस्टिक्स, बिजली उत्पादन, हीरे और रियल एस्टेट सहित कई चीजों में कार्यरत है। उनकी सूझबूझ ने बिजनेस के विकास और सफलता में खास भूमिका निभाई है।

विक्की जैन की पढ़ाई-लिखाई

विक्की जैन ने सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डिग्री ली और उसके बाद जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से एमबीए किया। वे एक धनी व्यवसायी परिवार से हैं, जहां उनके माता-पिता, विनोद कुमार जैन और रंजना जैन, दोनों ही अपने-अपने व्यवसायों में सफल रहे हैं।

कोयले की फैक्ट्री के हैं मालिक

विक्की जैन जांजगीर में कोल वाशरी के मालिक हैं, जिनका अनुमानित कारोबार लगभग 100 करोड़ रुपये का है। उनके परिवार का व्यवसाय महावीर बिल्डर्स एंड प्रमोटर्स के नाम से रियल एस्टेट में भी फैला हुआ है। इसके अलावा, वे बॉक्स क्रिकेट लीग (बीसीएल) टीम, मुंबई टाइगर्स के भी मालिक थे।

अंकिता लोखंडे की नेट वर्थ

अंकिता लोखंडे टीवी सीरियल्स, ऐड्स और सोशल मीडिया से कमाई करती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह यूट्यूब से सालाना लगभग 24-36 लाख रुपये और इंस्टाग्राम से लगभग 20-30 लाख रुपये कमाती हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अंकिता की कुल नेट वर्थ 25 करोड़ रुपये हैं।

विक्की जैन की नेट वर्थ

विक्की जैन बॉक्स क्रिकेट लीग टीम- मुंबई टाइगर्स के सह-मालिक भी हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्की जैन की अनुमानित कुल नेट वर्थ लगभग 100 करोड़ रुपये है। टेलीविजन इंडस्ट्री के सबसे अमीर सेलिब्रिटी कपल्स में से एक अंकिता लोखंडे और विक्की जैन की कुल मिलाकर नेट वर्थ 125 करोड़ रुपये हैं।

गोविंदा ने अंधविश्वास के कारण छोड़ दी थी फ्लाइट : हिमानी शिवपुरी

गोविंदा के अधंविश्वासी होने को लेकर कई साल से कई बातें सुनने को मिलती रही हैं। अब एक खुलासा एक्ट्रेस हिमानी शिवपुरी ने किया है, जो एक्टर संग कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हिमानी शिवपुरी ने बताया कि एक बार गोविंदा ने फ्लाइट में चढ़ने से इनकार कर दिया था और वापस घर चले गए थे। यह सब गोविंदा ने अंधविश्वास के कारण किया था, और तब अरुणा ईरानी को एक्टर के घर जाकर उन्हें वापस साथ लाना पड़ा था।

हिमानी शिवपुरी ने एक इंटरव्यू में बताया कि कैसे गोविंदा अंधविश्वास के आधार पर फैसले लेते थे। दोनों ने 'साजन चले ससुराल', 'हीरो नंबर वन', 'जिस देश में गंगा रहता है', 'हद कर दी आपने', 'एक और एक ग्यारह' और 'जोड़ी नंबर वन' जैसी कई फिल्मों में साथ काम किया।

हिमानी शिवपुरी ने सुनाया गोविंदा के अंधविश्वास का किस्सा

हिमानी शिवपुरी बोलीं, 'उनके (गोविंदा) साथ काम करना बहुत अच्छा था, लेकिन किसी तरह चीजें थोड़ी पटरी से उतर गईं। वह मुहूर्तों और अपने पंडितों द्वारा बताए गए सही और गलत समय पर विश्वास करने लगे। हम एक शूटिंग के लिए हैदराबाद जा रहे थे, और अरुणा ईरानी प्रोड्यूसर थीं। मैं, रवीना टंडन, अरुणा और डायरेक्टर कुकू कोहली सभी वहां पहुंचे, और हमें पता चला कि गोविंदा गायब हैं। वह फ्लाइट में बैठे ही नहीं।'

घबरा गए डायरेक्टर, अरुणा ईरानी गई थीं गोविंदा को लाने

हिमानी ने आगे कहा, कुकू घबराकर कहने लगे कि ची-ची (गोविंदा) कहां है? लेकिन अरुणा ने उन्हें शांत किया और कहा कि आप लोग जाओ, मैं उसे लेकर आती हूं। वह गोविंदा के घर गईं और उन्हें शाम की फ्लाइट से शूटिंग के लिए ले आईं। मुझे सचमुच नहीं पता कि उनके साथ क्या हुआ। शायद किसी ने उनसे कहा होगा कि यह काम करने का सही समय नहीं है। लेकिन वह हमेशा मेरे साथ सम्मान से पेश आते थे और उनके साथ काम करना बहुत मजेदार था।'

सेट पर ज्योतिषी को बुलाते थे गोविंदा!

गोविंदा के अंधविश्वासी होने के कई चर्चे रहे हैं। बताया जाता है कि गोविंदा गुरुवार के दिन किसी को पैसे नहीं लेते। अगर कोई पैसे देना चाहता है, तो वह वापस कर देते हैं। इसी तरह एक समय पर उन्होंने अपनी फिल्मों के सेट पर ज्योतिषी को बुलाना शुरू कर दिया था।

सीएम ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो को लेकर की बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट सभागार में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आगामी उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो (UPITS-2025) की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आयोजन की तैयारी, सुरक्षा, व्यवस्थापन और प्रतिभागियों की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रदेश की समृद्ध परंपरा, हुनर और उत्पादों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के साथ-साथ वोकल फॉर लोकल और मेक इन इंडिया अभियानों को बढ़ावा देगा। उन्होंने सभी जिलों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने, ODOP स्टॉल्स और शैक्षणिक संस्थानों में व्यापक ब्रांडिंग पर जोर दिया। इसके अलावा युवाओं को प्रत्यक्ष अनुभव और उद्यमिता के अवसर प्रदान करने, खादी व ग्रामोद्योग को प्रोत्साहित करने और विदेशी बायर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस-2025) की पहचान को मजबूत करने के लिए प्रदेश के सभी जिलों और शैक्षणिक संस्थानों में इसकी व्यापक ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार किया जाए। इसका उद्देश्य युवाओं और छात्रों को आयोजन के महत्व से अवगत कराना और उन्हें सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। इसके तहत कॉलेज, यूनिवर्सिटी और अन्य शैक्षणिक संस्थान अपने कैंपस में यूपीआईटीएस के पोस्टर, डिजिटल डिस्प्ले और इवेंट जानकारी साझा करेंगे, ताकि छात्र, फैकल्टी और स्थानीय समुदाय सीधे इस आयोजन से जुड़ सकें और युवाओं में उद्यमिता तथा नवाचार के प्रति जागरूकता बढ़े। सीएम योगी ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को आयोजन से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं को प्रत्यक्ष अनुभव और रोजगार/उद्यमिता के अवसर मिलेंगे।

बैठक में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद रहे। अपर मुख्य सचिव, एमएसएमई विभाग आलोक कुमार ने पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से मुख्यमंत्री को अब तक की तैयारियों से अवगत कराया।

भूकम्प, अग्निकांड एवं गैस रिसाव पर तैयार रहने के लिए मॉक एक्सरसाइज

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लखनऊ के आदेशानुसार उत्तर प्रदेश के 34 जनपदों की समस्त तहसीलों में भूकंप, अग्निकांड एवं रासायनिक गैस रिसाव पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज आयोजित की गई।

जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम के निर्देशों के क्रम में एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार के मार्गदर्शन में जनपद गौतम बुद्ध नगर की तीनों तहसीलों में मॉक एक्सरसाइज संपन्न हुई।

तहसील सदर में मेजर खतरनाक फैक्ट्री मैसेज डिक्शन इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड में औद्योगिक गैस रिसाव की मॉक एक्सरसाइज उपनिदेशक कारखाना बृजेश सिंह एवं सहायक निदेशक कारखाना संदीप सिंह के पर्यवेक्षण में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल द्वारा की गई।

तहसील दादरी में अशोक न्यूरो एंड ट्रॉमा सेंटर में अग्निकांड की स्थिति पर बचाव कार्य का अभ्यास उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा के पर्यवेक्षण में मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप चौबे एवं उनकी टीम द्वारा किया गया।

इस सम्पूर्ण मॉक एक्सरसाइज स्मॉगल को सफल बनाने में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, अशोक चिकित्सालय न्यूरो एण्ड ट्रामा सेंटर अजीत, मैसेज इलेक्ट्रॉन मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड के जुनैद अख्तर, प्रधानाचार्य प्रज्ञान पब्लिक स्कूल दीप्ति शर्मा एवं संबंधित अधिकारियों का विशेष सहयोग रहा एवं मॉक एक्सरसाइज स्मॉगल का सफल संचालन जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

रालोद के सक्रिय सदस्यता अभियान को लेकर मंथन

बुलन्दशहर (चेतना मंच)। राष्ट्रीय लोक दल जिला कार्यालय पर सक्रिय सदस्यता अभियान को गति देने को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि सांसद डॉक्टर राजकुमार सांगवान ने उपस्थित होकर अपना संबोधन प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में एडवोकेट प्रियंका चौधरी मेरठ मंडल प्रभारी सदस्यता अभियान मौजूद थीं।

पूर्व प्रदेश प्रवक्ता प्रियंका अत्री ने बताया कि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी जिस तरीक़े से पार्टी को मज़बूत करने के लिए रणनीति बनाकर चल रहे हैं जयंत चौधरी के निर्देशानुसार पार्टी को विधानसभा स्तर, बूथ स्तर पर मज़बूत करने का विशेष तौर पर आह्वान किया गया है ताकि आने वाले जिला पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव की दिशा निर्धारित की जा सके। सभी कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ अपने अपने क्षेत्र में पार्टी को मज़बूत करने में लगे हुए हैं तथा सदस्यता अभियान को तेज़ी से गति दे रहे हैं।

क्षेत्रीय महासचिव जिला प्रभारी सदस्यता अभियान सतीश राठी ने भी सक्रिय सदस्यता अभियान को लेकर अपने विचार रखे तथा सभा को संबोधित किया। जिलाध्यक्ष पंकज प्रधान ने प्रोग्राम की व्यवस्था को संचालित किया तथा समीक्षा बैठक को सफल बनाने के लिए पूर्ण योगदान दिया

इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ तथा प्रदेश उपाध्यक्ष किसान प्रकोष्ठ गजेंद्र तेवतिया, प्रोफ़ेसर भीष्म चौधरी राष्ट्रीय सचिव प्रोफ़ेशनल मच, राजपाल, विकास चौधरी, उत्तम चौधर, श्रीमती अंजू मुस्कान आदि पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे कार्यक्रम को सफल बनाया।

झपटमारों को दबोचने पर पारस सक्सेना को किया सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-11 में शुक्रवारर को दो झपटमारों को दबोचने वाले पारस सक्सेना को अदम्य साहस के लिए आरडब्ल्यूए तथा सेक्टर के नागरिकों ने सम्मानित किया। इस मौके पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अनुज गुप्ता ने कहा कि पारस सक्सेना तथा उनकी पत्नी प्रियंका सक्सेना ने बिना डरे दो झपटमारों से उस वक्त टक्कर ली जब वे उनकी चेन खींचकर भागना चाह रहे थे। दो बदमाशों से उन्होंने भिंडंत की। बाद में विनय मोहन तथा चौकीदार आदि लोग आग गए तथा दोनों बदमाशों को दबोच कर 7 मोबाइल बरामद किए तथा उन्हें पुलिस के सुपुर्द किया।

इस अवसर पर पारस सक्सेना तथा विनय मोहन को सम्मानित किया गया।

न्यूक्लियर मेडिसन में मानव संसाधनों की कमी : डॉ.सापरा

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी और एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ एप्लाइड साइंसेस द्वारा फोर्टिस हेल्थकेयर रिसर्च फाउंडेशन और फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट के सहयोग से ''रेडिएशन के चिकित्सा अनुप्रयोग में वर्तमान रुझान'' विषय पर सम्मेलन का आयोजन एमिटी विश्वविद्यालय में किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न संस्थानों जैसे दिल्ली विश्वविद्यालय, एमिटी विश्वविद्यालय आदि सहित उद्योग जगत, से लगभग 80 प्रतिभागीयों ने हिस्सा लिया।

भाभा अॅटोमिक रिसर्च सेंटर के रेडियोलॉजिकल फिजिक्स एंड एडवाइजरी डिविजन की प्रमुख डा (श्रीमती) बी के सापरा ने कहा कि वर्तमान समय में रेडिएशन के चिकित्सा अनुप्रयोग के क्षेत्र में काफी तेजी कार्य हो रहा है और नई औषधियों सहित तकनीकों का विकास बेहद आवश्यक है। आज न्यूक्लियर मेडिसन ने औषधि और तकनीक की घेरलु उत्पादन क्षमता को बढ़ावा दिया है। रेडियोलॉजिकल फिजिक्स एंड एडवाइजरी डिविजन रेडियोलॉजिकल सुरक्षा के संबंध में सलाहकार सेवाएं प्रदान करता है। यह प्रभाग विकिरण से संबंधित प्रतिष्ठानों के साइटिंग, योजना और लेआउट का मूल्यांकन करता है। इस समय में न्यूक्लियर मेडिसन में मानव संसाधनों की कमी है और आप शोधार्थियों के लिए नये अवसर उपलब्ध हो रहे है। एमिटी द्वारा इस क्षेत्र में काफी कार्य किया जा रहा है।

एमिटी फांउडेशन फॉर साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन एलांयस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा ए के सिंह ने इस सम्मेलन में न्यूक्लियर मेडिसन क्षेत्र के विशेषज्ञ उपस्थित है और सभी छात्रों को इनसे अवश्य मार्गदर्शन प्राप्त करना चाहिए। न्यूक्लियर विध्वंस के उपरांत के युग में अगर परमाणु का सबसे बेहतरीन उपयोग हुआ है तो वह न्यूक्लियर मेडिसिन के क्षेत्र में हुआ है जिससे बड़ी संख्या में रोगीयों को दर्द से राहत मिल रहा है। गुरूग्राम के फोर्टिस की न्यूक्लियर मेडिसिन की वरिष्ठ निदेशक डा इशिता बी सेन, एमिटी विश्वविद्यालय की साइंस एंड टेक्नोलॉजी की डीन डा सुनिता रतन, एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी की निदेशक डा अल्पना गोयल ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे।